Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबन्द में प्रसारित

दैनिक वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 168 | शनिवार, 27 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

राम मंदिर चढ़ावा मामले में चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा ने ट्रस्ट से दिया इस्तीफा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में शुक्रवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के सूत्रों के अनुसार, राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। दोनों ने अपना इस्तीफा ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास को सौंप दिया है।

ट्रस्ट के ट्रस्टी नृपेंद्र मिश्रा ने भी मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्हें चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे की जानकारी मिली है। हालांकि, अन्य सूत्रों का कहना है कि चंपत राय ने केवल महासचिव पद से इस्तीफा दिया है, जबकि ट्रस्ट की सदस्यता बरकरार रखी है।

इससे पहले गुरुवार देर रात पुलिस ने इस मामले में चंपत राय के करीबी सहयोगी रामाशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया था। सभी आरोपियों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस उनकी 14 दिन की रिमांड की मांग करेगी।

मामले में पहली एफआईआर गुरुवार शाम ट्रस्ट सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर दर्ज की गई थी। हालांकि, एफआईआर में चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा और ट्रस्ट के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के नाम शामिल नहीं हैं। राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया था। इसके बाद 13 जून को उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। एसआईटी ने 23 जून को अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद को सौंप दी थी।

इस बीच, पूर्व दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को रामलला के दर्शन किए। उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने इतना बड़ा पाप किया है, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। दर्ज की गई एफआईआर केवल दिखावा है। बड़े लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है।'

अयोध्या राम मंदिर फंड घोटाले में पहली गिरफ्तारी, चंपत राय के इस्तीफे के बाद पुलिस का बड़ा एक्शन

अयोध्या पुलिस ने राम जन्मभूमि मंदिर में गबन के मामले में आरोपी राम शंकर यादव उर्फ टीनू यादव को हिरासत में ले लिया है। यह गिरफ्तारी तब हुई जब पुलिस ने राम जन्मभूमि मंदिर में दान के पैसे के बड़े पैमाने पर गबन के आरोप में राम जन्मभूमि पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज की। पुलिस के मुताबिक, 25 जून को FIR दर्ज की गई थी। यह शिकायत श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कृष्णमोहन ने दर्ज कराई थी। FIR में मंदिर परिसर में चढ़ावे की गिनती और मैनेजमेंट में शामिल कई कर्मचारियों की आपराधिक साजिश का आरोप लगाया गया है। शिकायत में इन लोगों पर व्यवस्थित चोरी, गबन और भक्तों द्वारा दान किए गए पैसे के सुनियोजित हेरफेर का आरोप है। इस मामले में नौ लोगों को मुख्य संदिग्ध के तौर पर नामजद किया गया है, साथ ही कई अज्ञात लोग भी शामिल हैं। नामजद आरोपियों में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव, रमाशंकर यादव उर्फ टीनू और आशुतोष तिवारी शामिल हैं। अधिकारी की देखरेख में पुलिस ने बताया कि उन्होंने शुरूआती कागजी कार्रवाई पूरी कर ली है और शिकायतकर्ता को FIR की कंप्यूटर से निकाली गई कॉपी दे दी है। वायरलेस कम्युनिकेशन के जरिए ज़िले के वरिष्ठ अधिकारियों को केस दर्ज होने की जानकारी दी गई।

सर्जरी के बाद अच्छे मूड में दिखे तिब्बती गुरु, मंत्री ने दिल्ली में ली हेल्थ रिपोर्ट

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को राजधानी में तिब्बती आध्यात्मिक नेता, 14वें दलाई लामा से मुलाकात की और हाल ही में हुई उनकी घुटने की सर्जरी के बाद उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि उन्हें उन्हें अच्छे मूड में और तेजी से ठीक होते देखकर बहुत खुशी हुई। यह बैठक आध्यात्मिक गुरु की घुटने की सर्जरी के कुछ दिनों बाद हो रही है। 12 जून को, बाएं घुटने के सफल रिप्लेसमेंट ऑपरेशन के बाद उन्हें अपोलो अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

90 वर्षीय आध्यात्मिक गुरु की सेहत के बारे में जरूरी मेडिकल जानकारी उनके आधिकारिक एक्स अकाउंट पर शेयर की गई थी। इलाज की प्रक्रिया के बारे में बताते हुए, अपोलो अस्पताल के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. राजेश मल्होत्रा ने कहा, 'परम पावन दलाई लामा के बाएं घुटने का सफल रिप्लेसमेंट ऑपरेशन सोमवार, 8 जून को नई दिल्ली में हुआ। देखभाल के तरीके के बारे में बताते हुए, अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि इस प्रक्रिया में अस्पताल के अंदरूनी स्टाफ और आध्यात्मिक गुरु के निजी प्रतिनिधियों के बीच मिलकर काम किया गया, ताकि इलाज बिना किसी रुकावट के हो सके। डॉ. मल्होत्रा ने कहा कि इलाज के दौरान, परम पावन (दलाई लामा) की निजी मेडिकल टीम और परम पावन दलाई लामा के कार्यालय ने अपोलो हॉस्पिटल्स के एडमिनिस्ट्रेटिव और मेडिकल स्टाफ के साथ मिलकर काम किया।

सीएम देवेन्द्र फड़णवीस ने दिया न्याय का भरोसा, उज्ज्वल निकम बनेंगे स्पेशल प्रॉसिक्यूटर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को पुणे में पीड़ित के पिता विशाल अग्रवाल से मुलाकात के बाद लोहगढ़ किले में हुई हत्या के मामले में फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने का आदेश दिया और सीनियर वकील उज्ज्वल निकम को स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नियुक्त किया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया कि फडणवीस ने परिवार की मांगें तुरंत मान लीं और कानून और न्याय विभाग के सचिव को निर्देश जारी किए। निकम ने इस मामले में स्पेशल प्रॉसिक्यूटर के तौर पर पेश होने के लिए अपनी सहमति दे दी है।

केतन अग्रवाल के पिता, विशाल अग्रवाल ने पुणे में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिले और अपने बेटे के लिए न्याय की मांग की। महाराष्ट्र उटड ने बताया कि हम यह पक्का करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि इस मामले में दोषियों को सबसे कड़ी सजा मिले। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें भरोसा दिलाया कि परिवार को न्याय दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। इस मामले में फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने और उज्ज्वल निकम को स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर नियुक्त करने की उनकी मांग को भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तुरंत मान लिया और कानून और न्याय विभाग के सचिव को इस बारे में निर्देश जारी किए। सीनियर वकील उज्ज्वल निकम ने भी इस मामले में स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर के तौर पर काम करने के लिए अपनी सहमति दे दी है।

फडणवीस ने इस घटना को बेहद चौंकाने वाला बताया और कहा कि इसने समाज को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि पढ़े-लिखे और अच्छे-खासे परिवारों के बच्चों में 'बुरी और विनाशकारी सोच' क्यों पनपती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस मामले को सिर्फ.एक अपराध के तौर पर न देखें, बल्कि इसे सामाजिक नजरिए से भी देखें।

रियल एस्टेट कंपनी 'सक्सेस ग्रुप' के डायरेक्टर और चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, 25 साल के केतन अग्रवाल को 18 जून को – उनकी मंगेतर सिया गोयल के जन्मदिन से एक दिन पहले – लोनावला के पास लोहागढ़ किले की 350 फीट गहरी खाई में धक्का देकर मार डाला गया।

अरविन्द केजरीवाल के अयोध्या दौरे का भारी विरोध, संतों ने जलाया पुतला, लगाये केजरीवाल वापस जाओ के नारे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल आज अयोध्या दौरे पर पहुँचे तो उनका स्वागत विरोध प्रदर्शनों और केजरीवाल वापस जाओ जैसे नारों से हुआ। दरअसल, केजरीवाल ने वर्षों पहले कथित रूप से राम मंदिर की जगह स्कूल, अस्पताल और शौचालय बनाने जैसा विवादास्पद बयान दिया था। केजरीवाल जब रामनगरी पहुंचे तो संत समाज और कई स्थानीय संगठनों ने उनका जोरदार विरोध किया। जगह जगह 'केजरीवाल वापस जाओ' के नारे लगे और संतों ने उनका पुतला जलाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। संतों का कहना था कि जिन्होंने कभी राम मंदिर निर्माण की भावना का विरोध किया, आज वही राजनीतिक लाभ के लिए अयोध्या की धरती पर आकर श्रद्धा दिखाने का प्रयास कर रहे हैं। विरोध कर रहे साधु संतों ने आरोप लगाया कि यह दौरा आस्था से अधिक राजनीति से प्रेरित है।

हालांकि भारी विरोध के बावजूद अरविंद केजरीवाल ने रामलला के दर्शन किए और बाद में प्रसिद्ध हनुमानगढी मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना भी की। उनके साथ पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखाई दिया।

जन-स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम, केंद्र ने दवा नियमों में बदलाव का तैयार किया मसौदा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। नई दिल्ली। देश के मरीजों के स्वास्थ्य और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण फैसला लिया है। सरकार ने दवा नियमों में बदलाव का एक मसौदा (ड्राफ्ट) तैयार किया है, जिसके तहत अब विदेश से आयात होने वाली दवाओं की भारत आने के समय बची हुई उम्र (रेसिडुअल शेल्फ लाइफ) कम से कम 12 महीने यानी एक साल होनी चाहिए।

22 जून को जारी इस गजट नोटिफिकेशन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को ऐसी दवाएं न मिलें जो जल्द ही एक्सपायर होने वाली हों। इससे मरीजों को इस्तेमाल के लिए पूरा समय मिलेगा।

नए प्रस्वात में क्या बदलाव

सप्लाई चेन की मजबूती व बबार्दी पर लगाम वर्तमान नियम के अनुसार, आयातित दवाओं की शेल्फ लाइफ 60 प्रतिशत से अधिक होनी जरूरी थी।

नए प्रस्ताव से न केवल दवाओं की बबार्दी रुकेगी, बल्कि पूरी सप्लाई चेन में तालमेल बेहतर होगा। समय रहते दवाओं के वितरण और उपभोग से लागत में कमी आएगी और देश में जरूरी दवाओं की किल्लत नहीं होगी।

जैविक दवाओं पर पुराना नियम ही लागू रहेगा दवाओं की विशेष प्रकृति और संवेदनशीलता को देखते हुए 'बायोलाजिकल प्रोडक्ट्स' और 'रेडियोफार्मास्यूटिकल्स' पर पुराना नियम (60 प्रतिशत से अधिक शेल्फ लाइफ) ही लागू रहेगा, ताकि सार्वजनिक स्वास्थ्य से कोई समझौता न हो।

गुणवत्ता और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह बदलाव केवल भारत में एंट्री के समय दवाओं की बची हुई उम्र से जुड़ा है।

ड्रग्स एंड कास्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत दवाओं की क्वालिटी, सुरक्षा और असर से जुड़े बाकी कड़े नियमों में कोई ढील नहीं दी गई है। फिलहाल इस ड्राफ्ट पर आम जनता और सभी हितधारकों से सुझाव व आपत्तियां मांगी गई हैं।

सीएम डीके शिवकुमार का उत्पाद विभाग को कड़ा संदेशः सरकार की बदनामी बर्दाश्त नहीं होगी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

कर्नाटक। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने 26 जून को आबकारी विभाग के अधिकारियों को ऐसी गतिविधियों से बचने की चेतावनी दी जिनसे सरकार की छवि खराब हो सकती है। उन्होंने संकेत दिया कि जरूरत पड़ने पर उन्हें दूसरे विभागों में ट्रांसफर करने के लिए कानूनी उपाय किए जा सकते हैं। विधान सौधा में एक समीक्षा बैठक के दौरान शिवकुमार ने कहा कि अगर आप सम्मान के साथ काम करते हैं, तो सरकार का सम्मान बढ़ता है। अगर आप ऐसा कुछ करते हैं जिससे सरकार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचे, तो हम चुपचाप बैठकर तमाशा नहीं देखेंगे। शिवकुमार ने कहा कि यह न सोचें कि आबकारी विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों का दूसरे विभाग में तबादला नहीं किया जा सकता। जरूरत पड़ने पर, तबादले के लिए जरूरी कानूनी बदलाव करने के भी रास्ते मौजूद हैं। मैं आपको बहुत सावधानी से काम करने के स्पष्ट निर्देश दे रहा हूं। उन्होंने सरकार की बदनामी करने वाले किसी भी व्यवहार को बर्दाश्त न करने पर जोर देते हुए कहा कि मैं किसी भी ऐसे व्यक्ति या कोशिश को बर्दाश्त नहीं करूँगा जिससे सरकार की बदनामी हो। उन्होंने यह भी बताया कि विभाग में AIB सिस्टम लागू होने के बाद से उम्मीद के मुताबिक तरक्की हुई है। उन्होंने आगे कहा कि 574 नए लाइसेंस ई-ऑक्शन के लिए रखने का फैसला किया गया है। लाइसेंस रिन्यूअल की रकम दो किश्तों में चुकाने की सुविधा दी जाए। शिवकुमार ने आगे कहा कि उन्होंने पड़ोसी राज्यों के आबकारी विभागों की रिपोर्ट देखी हैं और अधिकारियों से विभाग के तय लक्ष्यों को पूरा करने को कहा है।

केतन अग्रवाल हत्याकांडः आरोपी सिया के माता-पिता बोले, दोष साबित होने पर बेटी को मिले सबसे कड़ी सजा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। करीब 13 महीने पहले मध्य प्रदेश की लड़की सोनम रघुवंशी ने मेघालय में छुट्टियां बिताने के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की नृशंस हत्या कर दी थी। प्रेम त्रिकोण या तीन किरदारों का एक ऐसा ही मामला महाराष्ट्र के पुणे से सामने आया है। इस मामले में शादी से पहले मंगेतर को मौत के घाट उतारा गया है। आरोप सिया और उसके प्रेमी चेतन चौधरी पर लगे हैं।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पूछताछ के दौरान सिया-चेतन अपने बयान बदल रहे हैं। केतन अग्रवाल और सिया गोयल की इस कहानी में अब तक इस मामले में क्या हुआ? पुलिस की जांच कहां तक पहुंची? अदालत में पेशी के दौरान आरोपियों पर क्या आरोप लगाए गए हैं? ऐसे तमाम सवालों के जवाब इस खबर में पढ़िए

आरोपी सिया गोयल के माता-पिता ने क्या कहा?

केतन अग्रवाल की कथित हत्या के मामले में जांच के बीच मुख्य आरोपी सिया गोयल के माता-पिता ने घटना पर गहरा सदमा व्यक्त किया है। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनाएं भी जताई हैं।

माता-पिता ने कहा कि मामले में दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, चाहे वह उनकी बेटी ही क्यों न हो। सिया के पिता प्रवीण गोयल ने केतन की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केतन के परिवार के लिए यह क्षति अकल्पनीय है।

'बेटे को खोने से बड़ा कोई दुख नहीं'

प्रवीण गोयल ने कहा, यह एक बहुत दुखद घटना है। मुझे अब भी विश्वास नहीं हो रहा है। केतन उनके बेटे जैसा था और वे उससे बहुत प्यार करते थे। ऐसा प्यारा, प्रतिभाशाली, अच्छा लड़का, आज हमने उसे खो दिया। एक पिता के रूप में, बेटे को खोने से बड़ा कोई दुख नहीं होता। कुछ दिन पहले ही सिया का जन्मदिन मनाया गया था और उन्होंने बेहतर भविष्य के सपने देखे थे।

सिया की मां का बयान क्या?

सिया की मां पूजा गोयल ने भी घटना पर सदमा व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि न्याय मिलना चाहिए, चाहे कोई भी जिम्मेदार पाया जाए। पूजा गोयल ने कहा, 'जब मैंने इस घटना के बारे में सुना, तो मुझे गहरा सदमा लगा।' उन्होंने सोचा कि ऐसा कैसे हो सकता है। पूजा ने कहा कि केतन का परिवार आज जिस दुख से गुजर रहा है, वह बहुत बड़ा है। उन्हें इससे भी अधिक दर्द है क्योंकि दो परिवार तबाह हो गए हैं।

क्या बेटी को कड़ी सजा मिलनी चाहिए?

पूजा गोयल ने कहा कि केतन बहुत अच्छा इन्सान था। यदि इस मामले में कोई दोषी पाया जाता है, तो उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सजा उनकी बेटी को भी मिलनी चाहिए। पूजा ने कहा, 'अगर मेरी बेटी दोषी पाई जाती है, तो जिम्मेदार व्यक्ति को उसी जगह से फेंक दिया जाना चाहिए जहां से केतन गिरा था।' यह बयान उनकी न्याय की प्रबल इच्छा को दशार्ता है।

किले पर तैनात सुरक्षा गार्ड ने क्या जानकारी दी?

केतन अग्रवाल की पुणे के लोहगढ़ किले से गिरकर मौत हुई थी। बाद में इसे कथित हत्या बताया गया। ऐतिहासिक स्थल पर मौजूद सुरक्षा गार्ड धीरज जाधव ने खुलासा किया। उसने बताया कि मृतक की मंगेतर और आरोपी सिया गोयल मदद के लिए चिल्ला रही थी। सिया ने कहा था कि 'कोई किले से गिर गया है।' उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सिया के साथ कथित प्रेमी चेतन चौधरी भी आरोपी है और दोनों पुलिस हिरासत में हैं।

संपादक की कलम से

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

ललित शर्मा
संपादक

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है। राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने 'ना' कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है? इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धमार्चार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं। मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मयार्दाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित 'लव जिहाद' जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है।

डिजिटल युग में युद्ध: एक नया व्याकरण

डॉ विजय गर्ग
लेखक

मानव इतिहास में युद्ध हमेशा से शक्ति, संसाधनों और प्रभुत्व की लड़ाई रहे हैं। कभी तलवारों और तीरों से युद्ध लड़े जाते थे, फिर बंदूकें, टैंक, युद्धपोत और लड़ाकू विमानों का युग आया। लेकिन इक्कीसवीं सदी में युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। आज संघर्ष केवल सीमाओं, सेनाओं और हथियारों तक सीमित नहीं रह गया है। युद्ध अब कंप्यूटर नेटवर्कों, डेटा केंद्रों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक पहुंच चुका है। यही कारण है कि डिजिटल युग के युद्ध को समझने के लिए एक नए 'व्याकरण' की आवश्यकता है। पारंपरिक युद्ध की भाषा में सैनिक, मोर्चा, हमला, रक्षा, विजय और पराजय जैसे शब्द प्रमुख थे। आधुनिक युद्ध में इन शब्दों के साथ-साथ साइबर हमला, हैकिंग, डेटा चोरी, दुष्प्रचार, एल्गोरिदम, ड्रोन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे नए शब्द जुड़ गए हैं। अब किसी देश को नुकसान पहुंचाने के लिए हमेशा मिसाइलें दागने या सैनिक भेजने की आवश्यकता नहीं होती। एक सफल साइबर हमला बिजली व्यवस्था, बैंकिंग नेटवर्क, परिवहन प्रणाली या सरकारी संस्थानों को ठप कर सकता है। साइबर युद्ध डिजिटल युग की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है। इसमें दुश्मन देश के कंप्यूटर नेटवर्कों में घुसपैठ कर गोपनीय सूचनाएं चुराई जाती हैं, संचार प्रणालियों को बाधित किया जाता है या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया जाता है। इन हमलों की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इनके पीछे जिम्मेदार व्यक्ति या संगठन की पहचान करना अक्सर कठिन होता है। इससे जवाबी कार्रवाई और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन और भी जटिल हो जाता है। डिजिटल युद्ध का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू सूचना युद्ध है।

आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म केवल संवाद का माध्यम नहीं हैं, बल्कि जनमत को प्रभावित करने के शक्तिशाली उपकरण भी बन चुके हैं। झूठी खबरें, भ्रामक सूचनाएं और संगठित प्रचार अभियान समाज में भ्रम पैदा कर सकते हैं, चुनावों को प्रभावित कर सकते हैं और राजनीतिक अस्थिरता को बढ़ावा दे सकते हैं। इस प्रकार आधुनिक युद्ध में लोगों के मन और विचार भी युद्धक्षेत्र बन गए हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) युद्ध की प्रकृति को और अधिक बदल रही है। एआई आधारित प्रणालियां विशाल मात्रा में डेटा का विश्लेषण कर सकती हैं, संभावित खतरों की पहचान कर सकती हैं और सैन्य निर्णय लेने में सहायता प्रदान कर सकती हैं। स्वायत्त ड्रोन और रोबोटिक हथियार निगरानी, टोही और हमले के कार्यों में उपयोग किए जा रहे हैं। हालांकि इन तकनीकों से सैन्य दक्षता बढ़ती है, लेकिन इनके उपयोग से जुड़े नैतिक और कानूनी प्रश्न भी सामने आते हैं। यदि कोई स्वचालित हथियार गलत निर्णय ले ले तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? डिजिटल युग में नागरिक भी युद्ध का प्रत्यक्ष हिस्सा बन गए हैं। पहले युद्ध मुख्यतः सैनिकों के बीच लड़े जाते थे, लेकिन अब साइबर हमले अस्पतालों, बैंकों, स्कूलों और संचार प्रणालियों को प्रभावित कर सकते हैं। आम नागरिकों का व्यक्तिगत डेटा चोरी हो सकता है और वे दुष्प्रचार अभियानों का शिकार बन सकते हैं। इस प्रकार राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सेना की जिम्मेदारी नहीं रह गई है, बल्कि नागरिक जागरूकता और डिजिटल साक्षरता भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है। आधुनिक संघर्षों में 'हाइब्रिड युद्ध' की अवधारणा भी तेजी से उभर रही है। इसमें पारंपरिक सैन्य कार्रवाई के साथ-साथ साइबर हमले, आर्थिक प्रतिबंध, दुष्प्रचार अभियान और राजनीतिक हस्तक्षेप का संयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य बिना पूर्ण युद्ध छेड़े विरोधी को कमजोर करना होता है। इस प्रकार युद्ध और शांति के बीच की रेखा पहले की तुलना में अधिक धुंधली हो गई है। इन परिवर्तनों ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों और सुरक्षा नीतियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। वर्तमान नियमों और संधियों का अधिकांश भाग उस समय बनाया गया था जब साइबर युद्ध और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकें अस्तित्व में नहीं थीं। इसलिए वैश्विक समुदाय को नए नियमों और मानकों का विकास करना होगा, ताकि डिजिटल संघर्षों को नियंत्रित किया जा सके और मानवता को संभावित खतरों से बचाया जा सके। भविष्य में क्वांटम कंप्यूटिंग, उन्नत एआई, जैव प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष आधारित प्रणालियां युद्ध की प्रकृति को और अधिक बदल सकती हैं। जो देश इन तकनीकों में अग्रणी होंगे, वे रणनीतिक बढ़त हासिल कर सकते हैं। लेकिन इसके साथ-साथ नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक होगा।

निष्कर्षतः, डिजिटल युग का युद्ध केवल हथियारों का नहीं, बल्कि सूचना, तकनीक और बुद्धिमत्ता का युद्ध है। इसकी भाषा, इसके नियम और इसके युद्धक्षेत्र पारंपरिक युद्धों से बिल्कुल अलग हैं। इसलिए आधुनिक संघर्षों को समझने और उनसे निपटने के लिए हमें एक नए व्याकरण की आवश्यकता है। यही नया व्याकरण आने वाले समय में वैश्विक सुरक्षा और शांति की दिशा तय करेगा।

भाजपा की नैतिकता की अग्नि परीक्षा: राम मंदिर और भरत तिवारी प्रकरण

एन0के0शर्मा
लेखक

जब किसी राष्ट्र की आत्मा किसी प्रतीक में अपना प्रतिबिंब देखने लगती है, तब वह प्रतीक केवल स्थापत्य नहीं रह जाता, बल्कि वह सभ्यता की चेतना, इतिहास की स्मृति, सांस्कृतिक अस्मिता और करोड़ों लोगों की आस्था का जीवंत केंद्र बन जाता है। राम मंदिर ऐसा ही एक प्रतीक है। यह उन अनगिनत लोगों के धैर्य, विश्वास और संघर्ष का परिणाम है जिन्होंने इसे केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के आत्मसम्मान की पुनर्स्थापना के रूप में देखा। इसलिए राम मंदिर से जुड़ा कोई भी विवाद सामान्य प्रशासनिक प्रश्न नहीं रह जाता; वह सीधे-सीधे जनविश्वास, सार्वजनिक नैतिकता और लोकतांत्रिक जवाबदेही की कसौटी बन जाता है।

यदि राम मंदिर या उससे जुड़े किसी कार्य, प्रबंधन अथवा संसाधनों के संबंध में किसी व्यक्ति-जिसमें भरत तिवारी भी शामिल हों यदि उनके संबंध में सार्वजनिक आरोप लगाए गए हैं-पर अनियमितता या भ्रष्टाचार के आरोप सामने आते हैं, तो उन आरोपों की निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी जांच होना न केवल विधिक आवश्यकता है, बल्कि नैतिक दायित्व भी है। साथ ही, यह भी उतना ही आवश्यक है कि किसी व्यक्ति को केवल आरोपों के आधार पर दोषी न माना जाए। लोकतंत्र में न्याय का आधार साक्ष्य, निष्पक्ष जांच और विधिसम्मत प्रक्रिया है, न कि पूर्वधारणा। भारतीय जनता पार्टी ने स्वयं को लंबे समय से राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, सुशासन और भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष का प्रतिनिधि बताया है।

यदि कोई ऐसा प्रकरण सामने आता है जो जनता के मन में प्रश्न उत्पन्न करता है, तो उसकी सबसे बड़ी परीक्षा विपक्ष के आरोपों का उत्तर देने में नहीं, बल्कि जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने में होती है। नैतिक नेतृत्व का अर्थ यह नहीं कि केवल विरोधियों से जवाबदेही मांगी जाए; उसका वास्तविक अर्थ यह है कि अपने निकटतम लोगों पर भी वही कसौटी लागू की जाए। इतिहास बार-बार यह सिखाता है कि बड़े राष्ट्र केवल शक्तिशाली संस्थाओं से नहीं, बल्कि विश्वसनीय संस्थाओं से बनते हैं। विश्वास तब जन्म लेता है जब सत्ता स्वयं को जांच से ऊपर नहीं मानती। यदि कोई आरोप निराधार है, तो निष्पक्ष जांच उस व्यक्ति की प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित करेगी। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो कानून के अनुरूप कार्रवाई लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को सुदृढ़ करेगी। दोनों ही स्थितियों में सबसे बड़ा लाभ सत्य का होगा। राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि एक नैतिक आदर्श का प्रतीक भी है।

यदि उसके नाम पर किए गए किसी भी कार्य में अपारदर्शिता का संदेह उत्पन्न होता है, तो प्रश्न केवल वित्तीय अनियमितता का नहीं रहता; प्रश्न यह बन जाता है कि क्या सार्वजनिक जीवन में आस्था और उत्तरदायित्व साथ-साथ चल रहे हैं। ऐसे प्रश्नों का उत्तर भावनाओं से नहीं, बल्कि तथ्यों, पारदर्शिता और संस्थागत ईमानदारी से दिया जाना चाहिए।

लोकतंत्र में सत्ता का सबसे बड़ा बल उसकी बहुमत संख्या नहीं, बल्कि जनता का विश्वास होता है। यह विश्वास भाषणों से नहीं, आचरण से अर्जित होता है।

इसलिए किसी भी संवेदनशील मामले में जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता, दस्तावेजों की उपलब्धता, निर्णयों की पारदर्शिता और सार्वजनिक संवाद की स्पष्टता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। जब जनता को यह अनुभव होता है कि कानून सब पर समान रूप से लागू होता है, तभी लोकतंत्र मजबूत होता है।

यह समय राजनीतिक ध्रुवीकरण का नहीं, बल्कि संस्थागत विश्वसनीयता को सुदृढ़ करने का है। राम का नाम भारतीय परंपरा में मयार्दा, न्याय, सत्य और लोककल्याण का प्रतीक माना गया है। यदि सार्वजनिक जीवन में भी उन्हीं मूल्यों का पालन हो, तो किसी भी प्रकार का संदेह स्वतः समाप्त होने लगता है। किंतु यदि प्रश्न उठते हैं, तो उनका समाधान आलोचकों को खारिज करने में नहीं, बल्कि तथ्यों को सामने रखने में है। अंततः यह प्रकरण किसी एक व्यक्ति या किसी एक दल तक सीमित नहीं है। यह उस व्यापक सिद्धांत की परीक्षा है कि क्या भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएँ आस्था से जुड़े अत्यंत संवेदनशील विषयों पर भी समान रूप से निष्पक्ष, पारदर्शी और उत्तरदायी रह सकती हैं। यही किसी भी लोकतांत्रिक शासन की वास्तविक अग्निपरीक्षा है।

किसी भी आरोप का अंतिम निर्णय न्यायिक और वैधानिक प्रक्रिया से ही होना चाहिए, परंतु उस प्रक्रिया का निष्पक्ष, समयबद्ध और पारदर्शी होना उतना ही आवश्यक है जितना स्वयं न्याय।

किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसके भव्य स्मारक नहीं, बल्कि उन स्मारकों के प्रति जनता का अटूट विश्वास होता है। उस विश्वास की रक्षा केवल श्रद्धा से नहीं, बल्कि सत्यनिष्ठा, विधि के शासन, पारदर्शिता और समान जवाबदेही से होती है। यदि इन मूल्यों की रक्षा की जाती है, तो राम मंदिर केवल पत्थरों का मंदिर नहीं रहेगा, बल्कि न्याय, मयार्दा और उत्तरदायित्व का भी जीवंत प्रतीक बना रहेगा।

कुदरत की खेल

उदय किशोर साह

कविता

कुदरत की है अपनी अलग कहानी
सुख दु :ख की है रुप जानी पहचानी
डोली पे सवार हो धरा पे आई चाँदनी
जीना मरना है जीवन सरिता की रवानी

पश्चिम की क्षितिज है कुछ कुछ लोहित
बादलों की महफिल है सजी मोहित
रजनी की पर्दापन की बेला है महान
वर्षा दस्तक दे रही है आने को जहान

तम की आगोश में छुपा जग है ये सारा
संघर्ष की व्यथा से तन मन है अब हारा
घोंसले में रोते हैं भूखा नन्हें परवाज
कौन दिलायेगा उन्हें भोजन की आस

भूखे पेट भजन ना होहीं आज गोपाला
खोल दो रहमत की बन्द अपनी ताला
जब होता है मानव की पेट में अवकाश
ना होता जीवन में मानव को दर्द काश !

दिवस का अवसान दर पे खड़ा हो आया
नि :स्तब्ध आकाश देख तन मन घबराया
अंधकार की साया है अति ही डरावनी
बन्द करो प्रकृति तुम अपनी मनमानी

व्यावहारिक ज्ञान बनाम किताबी शिक्षा: अनुभव और डिग्री के बीच बढ़ती खाई पर सवाल

किशन भावनानीं
लेखक

सृष्टि में अनमोल बौद्धिक ज्ञान का धनी मानवीय प्राणी को जन्म से ही परिवार, समाज, मानवीय संपर्कों से व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान मिलना शुरू हो जाता है। याने जैसे जैसे मानुष बाल्य काल से बचपन और फिर युवा होता है, वैसे-वैसे व्यवहारिक ज्ञान शिक्षा के माध्यम से ऑटोमेटिक अली स्वत संज्ञान से उसकी बौद्धिक क्षमता परिपक्व होती जाती है और फिर स्कूल कॉलेज से लेकर अनेक डिग्रियों यानें किताबी ज्ञान पाकर सोने पर सुहागा की कहावत हम पूरी करते हैं। इस तरह हम देखते हैं कि, शिक्षा दो तरह की होती है। एक किताबी शिक्षा और दूसरी व्योहारिक शिक्षा। अगर किताबी शिक्षा के साथ साथ हमको व्याहारिक शिक्षा का ज्ञान नहीं है तो हम शिक्षित होते हुए भी अशिक्षित की श्रेणी में आयेंगे। और अगर हमको शिक्षा के साथ साथ व्योहारिक ज्ञान भी है तो हम शिक्षित लोगो की श्रेणी में आयेंगे।

साथियों हम आम तौर पर देखते हैं कि स्थिति बिगड़ती देख अच्छे-अच्छे व्यवहारिक ज्ञान वाले व्यक्तिभी किताबी ज्ञान वालों को कहते हैं तुम तो पढ़े लिखे हो! हम को क्या समझता है हम तो अनपढ़ हैं, बस !इसी वाक्य में वे अपनी जवाबदारी से पीछा छुड़ाकर किताबी ज्ञान वालों के ऊपर डाल देते हैं और जब स्थिति अपने पक्ष में हो रही तो कहते हैं, देखो मैंने यह किया,फि र तुम्हारी पढ़ाई लिखाई क्या काम की? इसीलिए स्थिति पक्ष में हो या विपक्ष में दोनों स्थितियों में व्यवहारिक ज्ञान के धनी की ही जीत है। इस सामाजिक स्थिति पर व्यंग्य के रूप में हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम व्यवहारिक ज्ञान और किताबी ज्ञान दोनों की जरूरत की करें तो की करें तो सच तो यह है कि हमें किताबी ज्ञान और व्यावहारिक ज्ञान दोनों की आवश्यकता है। सिर्फ.किताबी ज्ञान से हम जीवन में फंस जाएँगे, खासकर तब जब हम कक्षा से बाहर निकलेंगे और सिर्फ.व्यावहारिक ज्ञान से हम फंस जाएँगे क्योंकि हम सरल निर्देश नहीं पढ़ पाएँगे या सरल गणितीय समस्याएँ हल नहीं कर पाएँगे। लेकिन मेरा मानना है कि हमें किताबी ज्ञान से ज्यादा व्यावहारिक ज्ञान की जरूरत है, क्योंकि जीवन समस्याओं से भरा है और इन समस्याओं के लिए व्यावहारिक समाधान की जरूरत है, उदाहरण के लिए अगर कोई भविष्य में इंजीनियर बनना चाहता है, तो चाहे वह कितना भी पढ़े-लिखे, उसे व्यावहारिक ज्ञान नहीं होगा जब तक वह अभ्यास न करे, वह किताबें पढ़कर घर में तार नहीं लगा सकता। व्यावहारिक ज्ञान के जरिए ही थॉमस एडिसन ने कई बार असफल होने के बाद आखिरकार एक लाइट बल्ब का आविष्कार किया था। किताबी ज्ञान सिर्फ. समाधान देता है जबकि व्यावहारिक ज्ञान समाधान को कारगर बनाता है। इसकी तुलना उस व्यक्ति से की जा सकती है जो साल भर नौकरी के लिए प्रार्थना करता है लेकिन आवेदन नहीं करता या नौकरी की

तलाश में नहीं जाता। दुनिया को व्यावहारिक ज्ञान की आवश्यकता है क्योंकि यह वह ज्ञान है जो हमें बताएगा कि देश में भुखमरी को कैसे कम किया जाए, सड़क पर दुर्घटनाओं की संख्या को कैसे कम किया जाए, किसी घातक बीमारी को फैलने से कैसे रोका जाए आदि, इसलिए व्यावहारिक ज्ञान का हमारे जीवन में अधिक प्रभाव पड़ता है।

साथियों बात अगर हम किताबी ज्ञान की करें तो, परिभाषा के अनुसार जिसने किताबी ज्ञान अर्जित किया हो और स्कूल कॉलेज की परीक्षाओं को पास करके डिग्री हासिल की हो वो शिक्षित है, और जिसे अक्षर ज्ञान ना हो, वो किताबी अनपढ़ ।पर क्या शिक्षा का अर्थ सिर्फ केवल किताबी ज्ञान अर्जित करना ही है? एक शिक्षित इंसान के द्वारा फेंका हुआ कचरा, अगर सुबह एक किताबी अशिक्षित इंसान (सफाई कर्मचारी) उठाता है ।ऐसे में किसे शिक्षित कहना चाहिए सफाई कर्मचारी को या कचरा फेंकने वाले को? आजकल की शिक्षा ऐसे ही रट्टा फिकेसन की शिक्षा होती जा रही है। जहाँ मतलब समझ आए या ना आए, बस रट्टा मारों और पास हो जाओ।

साथियों शायद इसीलिये किताबी पढ़े-लिखे अनपढ़ों की संख्या बढ़ती जा रही है ।पिछले कुछ दशकों में शिक्षा का स्तर काफी बढ़ गया है पर शिक्षा की वैल्यू खत्म होती जा रही है। ध्यान दे तो याद आता है जहाँ कुछ साल पहले ग्रेजुएशन ही काफी था, आज पोस्ट ग्रेजुएशन,क्या पीएचडी की भी कोई वैल्यू नहीं है। तकनीकी शिक्षा पर जोर है। तकनीकी शिक्षा गलत नहीं है पर सिर्फ तकनीकी शिक्षा से काम नहीं चलेगा।

साथियों बात अगर हम किताबी शिक्षित और किताबी अनपढ़ व्यक्तियों की करें तो, बहुत अंतर है। किताबीअनपढ़ आदमी केलकुलेटर चलाना नहीं जानता सारा हिसाब किताब उंगलियों से करना पड़ता है पढ़ा-लिखा आदमी विना केलकुलेटर के चार में से दो घटाने के लिए भी अपनी उंगली नहीं घिसता। किताबी अनपढ़ व्यक्ति के पास अपने अनुभव के अतिरिक्त कुछ नहीं होता जबकि पढ़ा-लिखा व्यक्ति और के अनुभव भी उपयोग में ले आता है। किताबी अनपढ़ व्यक्ति अधिक प्रेक्टिकल होता है शिक्षित व्यक्ति इतनानही होता ।कहीं बाहर जाने पर पढ़ा-लिखा व्यक्ति आसानी से पता ढूढ लेता है जबकि किताबी अनपढ को परेशानी होती है ।एक युग था जब समाज में किताबी अनपढ बहुत थे तो उनका कामकाज भी उसी तरह चलता था ।आज किताबी अनपढ़ व्यक्ति को हर तरह की परेशानी उठानी पड़ती है। उसे पढ़े-लिखे लोगों पर आश्रित रहना पड़ता है।

साथियों शिक्षित व्यक्ति किसी भी सुनी सुनाई बातों पर जल्दी विश्वास नहीं करता है जब तक वह उन्हे अपनी मन की कसौटी पर खरा नहीं उतार लेता। जबकि एक किताबी अनपढ़ व्यक्ति को कह दो कि तुम्हारा कान कौवा ले गया है तो वह अपने कान को नहीं देखेगा बल्कि कौवे के पीछे भागना शुरू कर देगा। जबकि एक पढ़ा लिखा व्यक्ति पहले अपने शरीर के सभी अंगों को ठीक से चेक करेगा। फिर क्यू कहेगा? बस यही शिक्षित और किताबी अनपढ़ व्यक्ति में अंतर है। किताबी अनपढ लोगों पर व्याहारिक ज्ञान होता है मगर अशिक्षित व्यक्ति वह होते हैं जो व्याहारिक ज्ञान में भी पिछड़े होते हैं। कुछ अपवादों को छोड़कर शिक्षित में संस्कार और लोकाचार का अभाव मिलता है। दोनों शब्द पर्यायवाची है पर कह देते हैं यह किताबी अनपढ अंगूठा टेक है मगर वह संस्कारित हो सकता है। अशिक्षित के लिए कहा जाता है कि तुम तो पढ़-लिखकर अशिक्षित ही रहे। किताबी अनपढ को कुछ बातें में अनदेखा कर देते हैंया कहे वह अपनी कमजोरी छुपा जाते हैं, पर अशिक्षित से ऐसी आशा कम की जाती है ।वहअपनी कमी नहीं छुपा पाते। कुछ विशेष अंतर नहीं है भावनात्मक अंतर ही लगता है । किताबी अनपढ की अपेक्षा अशिक्षित शब्द अधिक बुरा लगता है।

साथियों बात अगर हम संस्कारों और विचारधारा की करें तो व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान के परिपक्व व्यक्ति अपने कुल और माता पिता की विचारधारा पर चलकर संस्कारों का परिचय देते हैं। वहीं किताबी ज्ञान डिग्री लेने वाले कुछ अपवादों को छोड़कर संस्कारों और विचारधारा में साफ फर्क दिखा देने लगते हैं अपने कुल और माता पिता की विचारधारा पुरानी और ढकोसली लगने लगती है रिश्ते नातों में कमजोरी को बल मिलता है और विवाहित होने पर सिर्फ अपने परिवार की जवाबदारी तक सीमित हो जाते हैं जबकि व्यवहारिक ज्ञान के धनी व्यक्तियों में ऐसा नहीं है परंतु यह हम जरूर कहेंगे के किताबी ज्ञान वालों से अधिक ज्ञान समझ रखने वाले व्यवहारिक ज्ञान के धनी व्यक्तियों के दोनों हाथों में मलाई होती है जिससे स्थिति अनुसार प्रयोग में करते हैं स्थिति बिगड़ी तो तुम तो पढ़े लिखे हो!! हम ठहरे अनपढ़, हमको क्या समझता है!! और परिस्थिति का हमारे तरफ झुकाव रहा तो, देखो तुम तो पढ़े लिखे हो!! तुम्हारी पढ़ाई लिखाई किस काम की? हम तो अनपढ़ ही अच्छे है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, शिक्षा ऐसी होनी चाहिये जो हमारे मानवीय गुणों को भी विकसित करें। हमें संवेदनशील, सहनशील और व्यवहारिक के साथ-साथ देश और समाज के प्रति जागरूक भी बनाएं। जैसे प्राचीन काल में गुरुकुल में होती थी ।जहाँ ना सिर्फ पुस्तक ज्ञान सिखाते थे बल्कि आध्यात्मिक, सामाजिक, व्यवहारिक और शस्त्र ज्ञान भी शिक्षा के साथ-साथ ही सिखाया जाता था। अगर अच्छी किताबी शिक्षा या व्यवहारिक शिक्षा होने के बावजूद भी हम दकियानुसी सोच रखते हैं ।अपने घर को साफ रखते हैं,पर सड़क पर कचरा करते है ।दूसरो की पर्सनल लाईफ पर कमेंट करते हैं तो हमारे शिक्षित होने का क्या अर्थ है?

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

मुठभेड़ के बाद शातिर लुटेरा गिरफ्तार, जवाबी फायरिंग में दबोचाय तमंचा और बाइक बरामद

राजीव मोंगरा

सहारनपुर/सदर बाजार(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर पुलिस का अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना सदर बाजार पुलिस ने एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद लूट के मुकदमे में वांछित चल रहे एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस पर फायरिंग कर भागने का प्रयास कर रहे बदमाश की घेराबंदी कर उसे न्यू आवास विकास तिराहे के पास से दबोचा गया। आरोपी के कब्जे से अवैध हथियार, कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद हुई है। जानकारी के अनुसार, 21 जनवरी 2026 को वादी हिमांशू यादव निवासी मोल्हू की कोठी, आईटीसी लोडिंग गेट ने थाना सदर बाजार में शिकायत दर्ज कराई थी कि लाल रंग की आर-15 बाइक पर सवार दो अज्ञात बदमाशों ने उनका मोबाइल छीन लिया था। इस संबंध में पुलिस ने मु0अ0सं0 44/26 धारा 304 बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) के तहत मामला पंजीकृत कर जांच शुरू की थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर ने घटना का संज्ञान लेते हुए अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक चन्द्रसैन सैनी के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार चेकिंग कर रही थी। 26 जून 2026 को उप-निरीक्षक योगेन्द्र सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि लूट का वांछित अपराधी किसी नई घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने छिदवाना कट दिल्ली रोड पर चेकिंग शुरू की। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति यामाहा मोटरसाइकिल पर आता दिखाई दिया। पुलिस द्वारा रोकने का इशारा करने पर वह नहीं रुका और तेजी से बाइक को न्यू आवास विकास की तरफ मोड़कर भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा किया, तो हड़बड़ाहट में न्यू आवास विकास तिराहे के पास उसकी बाइक फिसलकर गिर गई। इसके बाद बदमाश ने झाड़ियों की आड़ लेकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ घेराबंदी करते हुए बदमाश को सुरक्षित दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त की पहचान शाह नजर उर्फ भोलू उर्फ शोएब पुत्र शेर मोहम्मद (निवासीः मौ0 सराय हिसामुद्दीन शाह नूरजी, थाना कुतुबशेर, जिला सहारनपुर) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से 01 देशी तमंचा (315 बोर) एवं 01 जिंदा कारतूस एवं 01 खोखा कारतूस (315 बोर), 01 यामाहा मोटरसाइकिल (लाल व काले रंग की जो लूट की वारदात में प्रयुक्त हुई थी बरामद किया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, शाह नजर उर्फ भोलू एक आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ थाना कुतुबशेर, थाना मंडी और थाना सदर बाजार में लूट, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में कुल 9 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर रही है।

ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाने के आदेश पर हाईकोर्ट की रोक 13 जुलाई को होगी सुनवाई

विजय द्विवेदी

प्रयागराज(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायतों के प्रशासनिक संचालन को लेकर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें प्रशासक नियुक्त करने के राज्य सरकार के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया इस व्यवस्था पर गंभीर संवैधानिक सवाल उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई को होगी। यह आदेश अरविंद राठौर द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि कार्यकाल समाप्त होने के बाद निर्वाचित ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाना संविधान और पंचायत राज व्यवस्था की भावना के विपरीत है। गौरतलब है कि प्रदेश के 57 हजार से अधिक ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई 2026 को समाप्त हो गया था। पंचायत चुनाव समय पर न होने के कारण राज्य सरकार ने सभी प्रधानों को प्रशासक के रूप में कार्य जारी रखने की अनुमति दी थी। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद इस व्यवस्था पर कानूनी अनिश्चितता पैदा हो गई है। सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य निर्वाचन आयोग से पंचायत चुनाव की संभावित समय-सीमा बताने को भी कहा है। साथ ही सरकार को निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई तक ओबीसी आयोग की रिपोर्ट भी न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जाए। प्रदेश सरकार पहले ही पंचायत चुनाव में आरक्षण तय करने के लिए ओबीसी आयोग का गठन कर चुकी है। आयोग की रिपोर्ट आने के बाद ही आरक्षण की अंतिम स्थिति स्पष्ट होगी, जिसके चलते पंचायत चुनाव में लगभग छह महीने की देरी की संभावना जताई जा रही है। इस बीच पंचायत चुनाव के लिए अंतिम मतदाता सूची भी जारी हो चुकी है।

यूपीआई साइबर ठगी के शिकार पीड़ित को मिली बड़ी राहत, गढ़मुक्तेश्वर साइबर सेल ने लौटाए पूरे 11,493 रुपये

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार जनपद में साइबर अपराध की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना गढ़मुक्तेश्वर की साइबर सेल ने त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए यूपीआई के माध्यम से साइबर ठगी का शिकार हुए एक पीड़ित के 11,493 रुपये (शत-प्रतिशत) वापस कराए।साइबर सेल ने शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित एजेंसियों और बैंकिंग संस्थानों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप पीड़ित की पूरी धनराशि उसके खाते में वापस करा दी गई।जनपद पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है तो तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें अथवा www.cybercrime .gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर धनराशि वापस कराई जा सके।

गागलहेड़ी पुलिस ने दोपहिया वाहन चोर गिरोह का किया भंडाफोड़

तीन आरोपी गिरफ्तार, चार चोरी की बाइक बरामद

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर के थाना गागलहेड़ी पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनमें एक बाइक उत्तराखंड के हरिद्वार से चोरी की गई थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे वाहन चोरी रोकथाम अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में 26 जून 2026 को मुखबिर की सूचना पर भगवानपुर रोड स्थित हरियाबांस फ्लाईओवर के पास चेकिंग के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ऋतिक पुत्र टोनी उर्फ अश्वनी निवासी ग्राम तिवाया थाना गागलहेड़ी, कुर्बान पुत्र शकील निवासी ग्राम उग्राहू थाना गागलहेड़ी तथा सबनूर पुत्र आलिम निवासी बढ़ेड़ी घोघू थाना फतेहपुर, जनपद सहारनपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही पर चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इनमें थाना बिहारीगढ़ क्षेत्र से चोरी हुई प्लेटिना मोटरसाइकिल, हरिद्वार के थाना रानीपुर क्षेत्र से चोरी हुई स्प्लेंडर प्लस, एक अन्य स्प्लेंडर प्लस तथा बिना नंबर प्लेट की एक स्प्लेंडर प्लस शामिल है, जिसके इंजन और चेसिस नंबर घिसे हुए मिले।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर अलग-अलग स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी करते थे। चोरी के बाद वाहनों को जंगल में सुनसान स्थान पर छिपा देते थे और बाद में सस्ते दामों पर बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश करते थे।

घटना के दिन भी वे चोरी की मोटरसाइकिलों के खरीदार की तलाश में निकले थे और अपने अन्य साथियों का इंतजार कर रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना गागलहेड़ी में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

पुत्र ही निकला लाखों की चोरी का मास्टरमाइंड, पिलखुवा पुलिस ने चार आरोपियों को दबोचा

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। थाना पिलखुवा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की एक सनसनीखेज घटना का सफल अनावरण कर एक हिस्ट्रीशीटर सहित चार शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए एक लाख रुपये की शत-प्रतिशत नकदी, बैग, वादी के महत्वपूर्ण दस्तावेज, एक अवैध तमंचा तथा घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं।पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि गिरफ्तार अभियुक्त गौरव, वादी का ही पुत्र है। उसने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर पूरी चोरी की साजिश रची और घटना को अंजाम दिया।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार सभी आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं। इनके विरुद्ध हापुड़, गाजियाबाद और बुलंदशहर जनपदों में हत्या के प्रयास, लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट सहित करीब डेढ़ दर्जन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

थाना पिलखुवा पुलिस की इस त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से चोरी की घटना का सफल खुलासा हुआ और चोरी गया पूरा माल बरामद कर लिया गया। पुलिस आरोपियों के आपराधिक नेटवर्क और अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

सरसावा पुलिस ने चोरी की दो वारदातों का किया खुलासा, शातिर चोर गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। थाना सरसावा पुलिस ने चोरी की दो घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे और निशानदेही पर दो जोड़ी सफेद धातु की पायल, एक जोड़ी सफेद धातु की चुटकी तथा 8 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 31 मई 2026 को कृष्णा विहार कॉलोनी, बुढ़ेड़ा रोड निवासी राजू कुमार के घर में चोरी की घटना हुई थी, जिसमें सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ली गई थी। इस संबंध में थाना सरसावा पर मुकदमा दर्ज किया गया था। वहीं 17 मई 2026 को ग्राम सैदपुरा निवासी बाबूराम के घर से भी सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी होने के मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और क्षेत्राधिकारी नकुड़ के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी प्रवेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में 25 जून 2026 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम सैदपुरा मोड़ के पास से ऋषभ पुत्र महेंद्र निवासी ग्राम ब्राह्मण माजरा, थाना सरसावा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने दोनों चोरी की घटनाओं में अपने एक साथी के साथ शामिल होने की बात स्वीकार की। उसने बताया कि चोरी किए गए सामान और नकदी का बंटवारा हुआ था, जिसमें उसके हिस्से में पायल, चुटकी और नकदी आई थी। अधिकांश रकम वह खर्च कर चुका है, जबकि शेष सामान और नकदी उसके साथी के पास है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दोनों मामलों से संबंधित दो जोड़ी पायल, एक जोड़ी चुटकी और कुल 8 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर संबंधित मुकदमों में अतिरिक्त धाराएं भी बढ़ाई गई हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी ऋषभ एक अभ्यस्त अपराधी है और उसके खिलाफ सहारनपुर के विभिन्न थानों में चोरी, हत्या के प्रयास तथा आर्म्स एक्ट सहित कई आपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं। आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

रोहताश शर्मा व पुलकित सिंगल के पारिवारिक कार्यक्रम में उमड़े भाकियू (एकता शक्ति) के पदाधिकारी, संगठनात्मक एकता का दिया संदेश

राजेंद्र सिंह

गौतमबुद्ध नगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (मजदूर सभा) श्री रोहताश शर्मा एवं गौतम बुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष श्री पुलकित सिंगल के पारिवारिक कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।कार्यक्रम के दौरान सभी पदाधिकारियों ने रोहताश शर्मा और पुलकित सिंगल सहित उनके परिवारजनों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी तथा उनके सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

इस अवसर पर संगठन के नेताओं ने आपसी भाईचारे, संगठनात्मक एकता और पारिवारिक संबंधों को मजबूत बनाए रखने पर जोर दिया।वक्ताओं ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) केवल किसानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाला संगठन ही नहीं, बल्कि अपने प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता के सुख-दुख में साथ खड़ा रहने वाला एक परिवार भी है। संगठन भविष्य में भी सामाजिक सौहार्द, आपसी सहयोग और संगठनात्मक मजबूती के लिए इसी तरह कार्य करता रहेगा।कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा किसान हितों के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प भी दोहराया।

मुठभेड़ में फरार चल रहा वांछित आरोपी गिरफ्तार, तमंचा और खोखा कारतूस बरामद

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। थाना कोतवाली देहात पुलिस ने पुलिस मुठभेड़ के बाद से फरार चल रहे वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से एक देशी तमंचा .315 बोर और एक खोखा कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, 24 जून 2026 को थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में हुई पुलिस मुठभेड़ के दौरान आकिल नामक आरोपी घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि उसका साथी अलीशान उर्फ चुतड़ मौके से फरार हो गया था। इस मामले में हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, गोवध अधिनियम और पशु क्रूरता अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक हृदय नारायण सिंह के नेतृत्व में 26 जून 2026 को मुखबिर की सूचना पर थाना कोतवाली देहात पुलिस ने मुख्य सड़क से करीब 25 कदम दूर खेत में बने ट्यूबवेल के पास से फरार चल रहे वांछित आरोपी अलीशान उर्फ चुतड़ पुत्र कुर्बान, निवासी दौड़ बसी, अरबी मदरसे के पास, शेखपुरा कदीम, थाना कोतवाली देहात को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक देशी तमंचा .315 बोर तथा एक खोखा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मीरा भायंदर में विशाल सखी सम्मेलन का आयोजन

डॉ. शंभु पंवार

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। पूनम संत महिला एवं विकास समिति द्वारा मीरा भायंदर में मातृशक्ति के सम्मान, जागरूकता एवं सशक्तिकरण को समर्पित विशाल सखी सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम संत ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि, 'यदि समाज में मातृशक्ति को सम्मान, शिक्षा और समान अवसर प्राप्त हों, तो राष्ट्र स्वतः ही प्रगति के पथ पर अग्रसर हो जाता है।' उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य को लेकर समिति महिलाओं एवं बेटियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सम्मेलन में मनोवैज्ञानिक श्रीमती पूनम मेहरा, सर्जन डॉ. सुरेखा मिचेरी तथा घरेलू हिंसा विषय की विशेषज्ञ अधिवक्ता वीना सिंह ने विशेष वक्ता के रूप में महिलाओं को स्वास्थ्य, मानसिक सशक्तिकरण, कानूनी अधिकारों, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर उपयोगी जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर साहित्य, खेल,स्वास्थ्य, पत्रकारिता, समाज सेवा, प्रशासन, शिक्षा एवं उद्यमिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियों एवं एशिया वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर के रूप में निक्की शर्मा को विशेष सम्मान से अलंकृत किया गया। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत निक्की शर्मा ने कहा कि इस विशाल सखी सम्मेलन का हिस्सा बनना उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं गौरवपूर्ण अनुभव रहा। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम संत, समिति के सभी पदाधिकारियों तथा मीरा रोड सखी परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को जागरूक, संगठित और सशक्त बनाने वाले ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

चोरी के तीन मुकदमों का खुलासा, वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, नकदी और तांबे का तार बरामद

राजीव मोंगरा

सहारनपुर/देवबंद(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर पुलिस द्वारा अपराधियों की धरपकड़ और अपराध की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना देवबंद पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर चोरी के मुकदमों में वांछित चल रहे एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास और उसकी निशानदेही पर चोरी की नकदी सहित भारी मात्रा में विद्युत उपकरण बरामद किए हैं। थाना देवबंद पुलिस ने इस गिरफ्तारी के साथ क्षेत्र में हुई चोरी की तीन बड़ी वारदातों का सफल अनावरण किया है। ग्राम जड़ौदा जट्ट निवासी सुशील की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ ग्रामीणों की ट्यूबवेल से विद्युत उपकरण चोरी करने का मामला (मु0अ0सं0 412/2026) दर्ज था। ग्राम बढ़ेड़ी सैनियो की निवासी प्रवीण कुमार ने तहरीर देकर खुशीराम नाम के व्यक्ति पर अपनी दुकान के गल्ले से 910 रुपये चोरी करने का आरोप लगाया था, जिस पर मुकदमा (मु0अ0सं0 465/2026) पंजीकृत किया गया। ग्राम बढ़ेड़ी मजबता निवासी हिमांशु की तहरीर पर ट्यूबवेल से मोटर चोरी होने का एक और मामला (मु0अ0सं0 466/2026) दर्ज किया गया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण और क्षेत्राधिकारी देवबंद के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कपिल देव के नेतृत्व में पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान 25 जून 2026 को मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने ग्राम बढ़ेड़ी से वांछित अभियुक्त खुशीराम पुत्र पीरू (निवासीः ग्राम बढ़ेड़ी, थाना देवबंद, सहारनपुर) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे और उसकी निशानदेही पर 910 रुपये नकद (दुकान से चोरी के मामले से संबंधित), 1 किलो 500 ग्राम तांबे का तार, 02 टुकड़े केबल (लंबाई 4.5 मीटर), 01 टुकड़ा केबल (लंबाई 4 मीटर) सामान बरामद किया है। गिरफ्तारी और माल बरामदगी के बाद पुलिस ने दर्ज मुकदमों में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) की वृद्धि की है। पुलिस द्वारा कानूनी औपचारिकताएं पूरी करते हुए आरोपी को समय से माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार अभियुक्त खुशीराम एक आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ थाना देवबंद में पहले से ही आबकारी अधिनियम और चोरी के कुल 4 मामले दर्ज हैं। इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक कपिल देव, उपनिरीक्षक रवि कुमार, हेड कांस्टेबल विपिन कुमार, हेड कांस्टेबल सोहनवीर और कांस्टेबल प्रेमचन्द्र शामिल रहे।

अक्षय पात्र फाउंडेशन के गोरखपुर केंद्रीकृत रसोईघर का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

अक्षय पात्र किचन अपनी क्वालिटी के लिए जाना जाता है : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोरखपुर। अक्षय पात्र फाउंडेशन के गोरखपुर केंद्रीकृत रसोईघर का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज उद्घाटन किया। यह रसोईघर फर्टिलाइजर रोड, घोसीपुरवा, चिलुआताल पुलिस स्टेशन के पास, नकहा जंगल रेलवे स्टेशन के सामने बना है। इस किचन की क्षमता 4 से 5 घंटे में 1 लाख स्कूली बच्चों को भोजन तैयार करने की है।

शुरूआत में यह किचन पहले 50000 और बाद में एक लाख स्कूली बच्चों को दोपहर का गरमा गरम पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराएगी। यह किचन स्थानीय लोगों को रोजगार भी देगी। यहां 350 से ज्यादा लोगों को नौकरी के मौके मिलेंगे। स्कूलों में खाना पहुंचाने के लिए 23 इलेक्ट्रिक गाड़ियां और 12 नॉर्मल डिलीवरी गाड़ियां हैं। ये 29 रूटों पर समय से खाना पहुंचाएंगी। मुख्यमंत्री योगी गोरखपुर में किचन स्थापित करने के लिए अक्षय पात्र को धन्यवाद देते हुए कहा कि बच्चों को अच्छा भोजन मिलेगा तो उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बड़े गौरव और सम्मान की बात है कि यह कार्यक्रम गोरखपुर की पवित्र धरती पर आयोजित हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक विकसित राष्ट्र तभी बन सकता है जब उसके बच्चे शिक्षित हों, स्वस्थ हों और संस्कारवान हों। भूख और कुपोषण बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास दोनों पर बुरा असर डालते हैं।

पोषण, शिक्षा और संस्कार, ये तीन स्तंभ हैं जिन पर एक मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का भविष्य टिका है। जब बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार और पर्याप्त पोषण भी मिलता है, तभी वे देश की प्रगति में सार्थक योगदान दे

पाते हैं। अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा यह पवित्र कार्य श्रील प्रभुपाद जी के विचारों और शिक्षाओं से प्रेरित है।

अक्षय पात्र फाउंडेशन के उपाध्यक्ष चंचलापति दास जी ने कहा था कि मानवता की सेवा, खासकर बच्चों की सेवा, हमारा पवित्र कर्तव्य है। आधुनिक तकनीक से लैस और स्वच्छता, गुणवत्ता व कार्यकुशलता के उच्चतम मानकों पर चलने वाली यह सुविधा यह सुनिश्चित करेगी कि बच्चों तक पौष्टिक भोजन समय पर और सम्मान के साथ पहुंचे। अक्षय पात्र फाउंडेशन यह आदर्श स्थापित कर रही हैं कि बच्चों को मिलने वाला भोजन स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा के सर्वोत्तम मानकों पर तैयार हो।

जब हर बच्चा स्वस्थ होगा, शिक्षित होगा और सशक्त होगा, तभी हम एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र की मजबूत नींव रख पाएंगे। आज पौष्टिक भोजन पाने वाले बच्चे ही कल के वैज्ञानिक, शिक्षक, उद्यमी, प्रशासक और राष्ट्र निमार्ता बनेंगे।

उन्होंने कहा कि 2.5 एकड़ क्षेत्र में निर्मित यह रसोई गैस एवं स्टीम आधारित हाइब्रिड परिचालन मॉडल पर कार्य करती है, जो पर्यावरणीय स्थिरता और परिचालन दक्षता के प्रति फाउंडेशन की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। रसोई में जल संरक्षण हेतु उन्नत प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं, जिनमें वर्षा जल संचयन अवसंरचना तथा 2 लाख लीटर क्षमता वाला अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र शामिल है। विशेषीकृत रसोई उपकरणों में दो रोटी निर्माण मशीनें हैं, जिनकी संयुक्त क्षमता प्रति घंटे 40,000 रोटियां तैयार करने की है, जिससे बड़े स्तर पर भोजन उत्पादन में निरंतरता सुनिश्चित होती है। 160 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र इस सुविधा के संचालन का महत्वपूर्ण हिस्सा संचालित करता है, जबकि हाइब्रिड बॉयलर प्रणाली पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता को कम करती है। दूसरे चरण में एक बायोगैस संयंत्र भी स्थापित किया जाएगा, जो इस रसोई की पर्यावरणीय स्थिरता एवं अपशिष्ट प्रबंधन क्षमताओं को और सुदृढ़ करेगा।

चंचलपति दास जी ने कहा कि किसी भी बच्चे को भूख के कारण शिक्षा से वंचित नहीं होना चाहिए। यही हमारा मिशन है, जिसे हम प्रतिदिन ऐसे प्रयासों के माध्यम से आगे बढ़ाते हैं। यह तभी संभव हो पाता है जब सरकार, कॉर्पोरेट जगत और हमारे जैसे संगठन एक साथ मिलकर कार्य करते हैं।

द अक्षय पात्र फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी संस्था है तथा भारत सरकार की प्रमुख पीएम पोषण योजना की क्रियान्वयन सहयोगी है। भारत सरकार, राज्य सरकारों, कॉर्पोरेट साझेदारों एवं परोपकारी दानदाताओं के साथ एक सुदृढ़ सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल के अंतर्गत कार्य करते हुए, फाउंडेशन का उद्देश्य कक्षा में भूख की समस्या को समाप्त करना तथा बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा को सशक्त बनाना है।

वर्ष 2000 में स्थापित अक्षय पात्र फाउंडेशन ने अपनी विनम्र शुरूआत से लेकर खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त सामाजिक आंदोलन का रूप ले लिया है। वर्षों के दौरान इसके कार्यक्रमों ने विद्यालयों में नामांकन एवं उपस्थिति बढ़ाने, कक्षा में भूख कम करने, शैक्षणिक प्रदर्शन सुधारने तथा बच्चों के पोषण स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

आज फाउंडेशन का रसोई नेटवर्क 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों तक फैला हुआ है, जो 25,000 से अधिक विद्यालयों एवं आंगनवाड़ियों में 23.5 लाख से अधिक लाभार्थियों को प्रतिदिन पौष्टिक भोजन उपलब्ध करा रहा है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लक्ष्यों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं एआरपी गीता रावत

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। निपुण भारत मिशन भारत सरकार की एक प्रमुख शैक्षिक योजना है जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान में दक्ष हो जाए। इसी लक्ष्य की प्राप्ति में एकेडमिक रिसोर्स पर्सन मिशन निपुण के मुख्य स्तंभ हैं, जो विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लक्ष्यों को धरातल पर साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय अरतौनी विकास खंड बलदेव जनपद मथुरा में एआरपी गीता रावत द्वारा सपोर्टिव सुपरविजन किया गया। विद्यालय में स्कूल रेड़ीनेस मेले का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने विभिन्न शैक्षिक एवं रचनात्मक गतिविधियों से संबंधित स्टॉल लगाकर अपनी प्रतिभा और सीखने की उपलब्धियां का प्रदर्शन किया।

टेडी बगिया में गमगीन माहौल में निकला मोहर्रम का ताजिया जुलूस, पुलिस की कड़ी सुरक्षा में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ आयोजन

मयूर खान

आगरा(वेलकम इंडिया)। टेडी बगिया क्षेत्र में मोहर्रम के अवसर पर पारंपरिक ताजिया जुलूस बेहद गमगीन, अनुशासित और शांतिपूर्ण माहौल में निकाला गया। पैगंबर हजरत मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन और कर्बला के मैदान में शहीद हुए उनके 72 साथियों की याद में अकीदतमंदों ने नम आंखों से मातम किया और उनकी कुबानीं को श्रद्धापूर्वक याद किया। मुख्य ताजिया जुलूस की शुरूआत इंडियन टूर एंड ट्रेवल्स से होते टेडी बगिया पुलिस चौकी चौराहे से रोड़ वाली मस्जिद से इस्लाम नगर वीर अब्दुल हमीद पार्क के पास मौजूद कर्बला में जहां मजहबी रस्मों के साथ अकीदतमंदों की संख्या बढ़ती गई और पूरा क्षेत्र 'या हुसैन' की सदाओं से गूंज उठा यह मातमी जुलूस टेडी बगिया के 100 फुटा मार्ग से होकर विभिन्न निर्धारित मार्गों और प्रमुख चौराहों से गुजरते हुए इस्लाम नगर स्थित कर्बला मैदान में पहुंचा यहां विशेष दुआओं और धार्मिक रस्मों के बाद ताजियों को पूरे सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया गया। संवेदनशील आयोजन को देखते हुए आगरा पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। थाना ट्रांस यमुना पुलिस बल एवं खंदौली क्षेत्र की मुढ़ी चौकी पुलिस ने पूरे जुलूस मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाली। टेडी बगिया चौराहे से लेकर कर्बला मैदान तक भारी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। ड्रोन कैमरों के माध्यम से पूरे क्षेत्र की निगरानी की गई, जबकि प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल मुस्तैद रहा पुलिस अधिकारियों की सतत निगरानी, स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों और आयोजकों के सहयोग से मोहर्रम का यह धार्मिक आयोजन पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन की लोगों ने सराहना की। यह आयोजन सामाजिक सद्भाव, आपसी भाईचारे और धार्मिक सौहार्द का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया जुलूस में क्षेत्रीय जिम्मेदार व्यक्ति पार्षद सज्जन अली, जमील खान, गोरी साहब, शमशेर अब्बास, आकिल अब्बास, इंडियन टूर एंड ट्रेवल्स के संचालक आरिफ उर्फ शेरा, शाहरूख खान, अकरम अली पत्रकार, मयूर खान पत्रकार, शाहिद अली शाह पत्रकार, आदि सामाजिक व्यक्ति मौजूद रहे।

गिरिराज धाम में वृक्षारोपण महोत्सव 2.0 का शुभारम्भ, तलहटी में रोपे पौधे

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। गीत संगीत सागर ट्रस्ट (मुंबई) द्वारा 'क्लीन तलहटी ग्रीन तलहटी मिशन' के अंतर्गत गिरिराज तलहटी, गोवर्धन में 'नमो वृक्षेभ्यः' वृक्षारोपण महोत्सव 2.0 का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम पूज्य गोस्वामी श्रीप्रशान्त कुमार महाराज के मार्गदर्शन में गोविन्द कुण्ड, आन्यौर स्थित तलहटी क्षेत्र में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में लोकेश गर्ग (समृद्धि ज्वैलर्स) उपस्थित रहे। महोत्सव के दौरान नीम, पीपल, वट, कदम्ब, चम्पा, गुलमोहर, अमलतास, जामुन एवं आम सहित विभिन्न छायादार, पुष्पदायी और फलदार वृक्षों का रोपण किया गया। गोस्वामी श्रीप्रशान्त कुमारजी महाराज ने सभी श्रद्धालुओं से वृक्ष लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में देश-विदेश से आए वैष्णवों एवं पर्यावरण प्रेमियों ने सहभागिता की। आयोजन में वन विभाग गोवर्धन का सहयोग रहा तथा संयोजक पं. दाऊ दयाल शर्मा ने व्यवस्थाओं का संचालन किया।

बिना पंजीकरण संचालित कोचिंग सेंटर व लाइब्रेरी बंद होंगी, नियमों के उल्लंघन पर होगी कार्रवाईः डॉ. अखिलेश यादव

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। लखनऊ में कोचिंग सेंटर में हुए अग्निकांड के बाद मथुरा जनपद में भी कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। जिला विद्यालय निरीक्षक मथुरा राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर बलदेव ब्लॉक में संचालित कोचिंग संस्थानों की जांच एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कराया जा रहा है। इसके लिए नोडल अधिकारी डॉ. अखिलेश यादव को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

डॉ. अखिलेश यादव ने बताया कि जिन कोचिंग संस्थानों का अभी तक पंजीकरण नहीं हुआ है, वे तत्काल पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करें। बिना पंजीकरण संचालित कोचिंग सेंटरों के विरुद्ध कोचिंग अधिनियम-2002 एवं कोचिंग सेंटर रेगुलेशन-2024 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी कोचिंग संस्थान का संचालन बेसमेंट में नहीं किया जाएगा। सभी संस्थानों में छात्रों की सुरक्षा के लिए अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं उनकी कार्यशील स्थिति सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा। जिन अग्निशमन उपकरणों की वैधता समाप्त हो रही है, उनका समय रहते नवीनीकरण अथवा रिफिलिंग कराई जाए।

साथ ही भवनों में खुले, जले या क्षतिग्रस्त बिजली के तारों को तत्काल ठीक कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। डॉ. यादव ने कहा कि निरीक्षण के दौरान यदि किसी भी संस्थान में सुरक्षा मानकों की अनदेखी या नियमों का उल्लंघन पाया गया तो संबंधित संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी और उसकी पूरी जिम्मेदारी संचालक की होगी।

उन्होंने बताया कि बलदेव ब्लॉक में बड़ी संख्या में अवैध एवं अपंजीकृत कोचिंग सेंटर तथा लाइब्रेरी संचालित हो रही हैं, जहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर विद्यार्थियों की जान जोखिम में डाली जा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से भी अपील की कि वे केवल पंजीकृत एवं सुरक्षित संस्थानों का ही चयन करें तथा प्रशासन का सहयोग करें।

डॉ. यादव के अनुसार वर्तमान में रेटलिंग कोचिंग सेंटर (नानक नगर, बलदेव), डीपीआई अकैडमी, किलोनी ग्रीस एंड ग्लोरी कोचिंग सेंटर (हयातपुर) तथा दक्ष क्लासेस (दौलतपुर) पंजीकृत संस्थान हैं। यदि इन संस्थानों में भी मानकों की अवहेलना या अन्य किसी प्रकार की लापरवाही पाई गई तो उनका पंजीकरण निरस्त कर दिया जाएगा। साथ ही यदि किसी कोचिंग सेंटर के पंजीकरण पर विद्यालय संचालित होता मिला तो तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे ब्लैकलिस्ट किया जाएगा।

पंतनगर केवल एक विश्वविद्यालय नहीं, एक विचार है : शिवराज सिंह चौहान

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन में बोलते हुए श्री चौहान ने कहा कि पंतनगर केवल एक विश्वविद्यालय नहीं, एक विचार है। यह वह विचार है, जो कहता है कि ज्ञान का उद्देश्य समाज की सेवा है। यह वह विचार है, जो कहता है कि विज्ञान का उद्देश्य मानवता का कल्याण है। यह वह विचार है, जो कहता है कि कृषि केवल व्यवसाय नहीं, राष्ट्रनिर्माण का आधार है।

उन्होंने कहा कि देश का प्रथम कृषि विश्वविद्यालय होने के नाते पंतनगर विश्वविद्यालय ने भारतीय कृषि के आधुनिकीकरण, अनुसंधान, नवाचार एवं किसानों की समृद्धि में ऐतिहासिक योगदान दिया है।

भाजपा छोड़ बसपा में शामिल हुए पंडित नीरज शर्मा, 2027 विधानसभा चुनाव लड़ने का किया ऐलान

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं। इसी क्रम में भाजपा छोड़कर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में शामिल हुए पंडित नीरज शर्मा ने प्रेसवार्ता आयोजित कर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर जमकर निशाना साधा तथा क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को प्रमुख चुनावी मुद्दा बताया। प्रेसवार्ता के दौरान पंडित नीरज शर्मा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने ब्राह्मण समाज की लगातार उपेक्षा की है और उनके सम्मान व हितों की अनदेखी की गई है। उन्होंने कहा कि गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र आज भी विकास के मामले में काफी पीछे है। क्षेत्र में न तो लोगों के इलाज के लिए आधुनिक और सुविधायुक्त अस्पताल उपलब्ध हैं और न ही विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण सरकारी डिग्री कॉलेज की व्यवस्था है। इसके कारण क्षेत्र के लोगों को शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि जनता उन्हें अपना आशीर्वाद देती है और विधायक बनने का अवसर मिलता है, तो उनकी पहली प्राथमिकता गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रोजगार और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विकास करना होगा। उन्होंने दावा किया कि उनका चुनाव किसी एक व्यक्ति का चुनाव नहीं, बल्कि पूरे गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र की जनता की आवाज है। पंडित नीरज शर्मा ने कहा, 'मैं अकेला चुनाव नहीं लड़ रहा हूं, बल्कि गोवर्धन विधानसभा का बच्चा-बच्चा चुनाव लड़ रहा है। यदि जनता का आशीर्वाद मिला तो विधायक सिर्फ पंडित नीरज शर्मा नहीं होगा, बल्कि गोवर्धन विधानसभा का हर नागरिक विधायक होगा।' प्रेसवार्ता के दौरान बसपा कार्यकर्ता और समर्थक भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यकताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा को मजबूत करने और क्षेत्र में पार्टी के जनाधार को बढ़ाने का संकल्प लिया।

उत्तराखण्ड आने वाले दिनों में करीब 30 टन मछलियों के निर्यात की तैयारी कर रहा है : सौरभ बहुगुणा

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। राज्य सचिवालय के मीडिया सेंटर में मत्स्य विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने आज प्रेस कॉफ्रेंस में जानकारी दी कि राज्य निर्माण के बाद पहली बार उत्तराखण्ड की मछली इंटरनेशनल मार्केट में पहुंची हैं। पिथौरागढ़ जिले की तीन सहकारी समितियों ने राज्य सरकार के सहयोग से नेपाल को पांच मीट्रिक टन मछलियां सप्लाई की हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड आने वाले दिनों में करीब 30 टन मछलियों के निर्यात की तैयारी कर रहा है। बहुगुणा ने बताया कि पिथौरागढ़ के धारचूला एवं मुनस्यारी क्षेत्र की तीन मत्स्य जीवी सहकारी समितियों ने ये मछलियां तैयार की थीं। कोल्ड-चेन बनाए रखते हुए मछली को गुजरात के वेरावल भेजा गया, जहां प्रसंस्करण के बाद 23 जून 2026 को नेपाल के अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसका सफलतापूर्वक निर्यात किया गया। इससे 33 मत्स्य पालकों को लगभग 23.50 लाख की आय प्राप्त हुई है।

कैबिनेट मंत्री के अनुसार-उत्तराखण्ड के इस पहले निर्यात को प्रोत्साहित करने हेतु मत्स्य विभाग ने हार्वेस्टिंग, पैकेजिंग एवं परिवहन के लिए 5.40 लाख की गैप फंडिंग सहायता प्रदान की। उन्होंने कहा कि दुबई में आयोजित गल्फ फूड एक्सपो के दौरान अंतरराष्ट्रीय खरीदारों एवं

हितधारकों से स्थापित संपर्को का यह सकारात्मक परिणाम है।

मत्स्य विभाग अब यूरोप, मध्य-पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व एशिया के अन्य बाजारों में भी निर्यात की संभावनाओं पर कार्य कर रहा है। इस क्रम में आने वाले दिनों में करीब 30 टन मछली का निर्यात विदेशों में किए जाने की तैयारी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उनकी सरकार ने मत्स्य पालन के क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर खोलने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। इस संबंध में धामी सरकार की नीति से सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने लगे हैं।

मत्स्य पालन मंत्री सौरभ बहुगुणा के अनुसार-मत्स्य पालकों को विपणन सहायता उपलब्ध कराने हेतु वर्ष 2024 में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के साथ एमओयू किया गया, जिसके अंतर्गत अब तक 2.10 करोड़ मूल्य की 45.10 मीट्रिक टन ट्राउट मछली की आपूर्ति की जा चुकी है।

राज्य में मत्स्य क्षेत्र निरंतर प्रगति कर रहा है। बहुगुणा ने बताया कि वर्ष 2022 तक जहां राज्य में मात्र 10,011 मत्स्य पालक थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 15,657 हो गई है। इनमें 3,584 महिला मत्स्य पालक शामिल हैं। बहुगुणा ने बताया कि मत्स्य उत्पादन वृद्धि दर वर्ष 2012-17 में जहां मात्र दो प्रतिशत थी, वह बढ़कर वर्ष 2022-26 में 11 प्रतिशत हो गई है। वर्ष 2026-27 में राज्य अंतर्गत 11,805 मीट्रिक टन मत्स्य उत्पादन हुआ, जिसका मूल्य लगभग 165 करोड़ है। मत्स्य पालन मंत्री के अनुसार, मत्स्य विभाग का वार्षिक बजट वर्ष 2021-22 में 55.76 करोड़ से बढ़ कर वर्ष 2026-27 में 261.41 करोड़ हो गया है।

पिछले चार वर्षों में मत्स्य पालन क्षेत्र में 5,646 मत्स्य पालकों हेतु स्वरोजगार के अवसर सृजित किए गए। विभाग में 33 नियमित नियुक्तियां की गई हैं। मत्स्य पालन मंत्री ने कहा कि सरकार के स्तर पर शुरू की गई नवीन ट्राउट प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना आदि के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे है। मत्स्य क्षेत्र वर्तमान में राज्य की अर्थव्यवस्था के तीव्र गति से विकसित होने वाले प्रमुख क्षेत्रों में से एक बन चुका है। प्रेस कॉफ्रेंस में निदेशक मत्स्य चंद्र सिंह धर्मशक्तू भी उपस्थित रहे।

गमगीन माहौल में दसवीं मोहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण सकुशल सम्पन्न

फतेह खान

शुजागंज अयोध्या(वेलकम इंडिया)। कोतवाली रूदौली के शुजागंज पुलिस चौकी अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में गमगीन माहौल में दसवीं मोहर्रम का जुलूस शुक्रवार को शांतिपूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न हो गया, यह जुलूस का आरम्भ सुबह दस बजे हलीम नगर से निकल कर नई सराय, मानपुर, हयातनगर, होते हुए अपराह्न पौने दो बजे के निकट शुजागंज कस्बा पहुंच शाम को समाप्त हो गया। जुलूस समापन के पश्चात पुलिस प्रशासन की कड़ी निगरानी में ताजियेदारों द्वारा अपनी अपनी ग्राम सभाओं में स्थित कर्बलाओ में ताजिया को दफन किया गया। जुलूस में या हुसैन या हुसैन की सदाए गूंजती रही। भीषण गर्मी को देखते हुए जगह जगह पर पेयजल, शरबत, मिष्ठान का वितरण किया जा रहा था वहीं दूसरी ओर खंडपिपरा, सीवन, दशरथ मऊ, कोपपुर बिचाला, रहीमगंज, भेलसर अल्हवाना, में भी गमगीन माहौल में ताजिया को दफन किया गया। महिला उपनिरीक्षक पल्लवी श्रीवास्तव, हेड कांस्टेबल इंद्रेश यादव कांस्टेबल अभिषेक कुमार, राजेन्द्र सिंह सत्यम गुप्ता आदर्श यादव श्याम सुंदर, अंबुज सिंह, शरद कुमार शर्मा, रवि चौधरी, मो रशीद, महिला कांटेबल शिखा, प्रिया साहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रही।

50 हजार का इनामी बदमाश महताब पुलिस मुठभेड़ में ढेर

लूट के बाद घेराबंदी, जवाबी फायरिंग में मारा गया हिस्ट्रीशीटर; दारोगा भी गोली लगने से घायल

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। शामली में लूट की वारदात के कुछ ही घंटों बाद थाना आदर्शमंडी और कांधला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 50 हजार रुपये का इनामी अंतरराज्यीय हिस्ट्रीशीटर बदमाश महताब उर्फ बेचैन पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। मुठभेड़ के दौरान थाना आदर्शमंडी में तैनात उपनिरीक्षक दीपचंद भी गोली लगने से घायल हो गए, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। वहीं, महताब का एक साथी खेतों का फायदा उठाकर फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस कॉम्बिंग अभियान चला रही है।एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे थाना आदर्शमंडी क्षेत्र के जलालपुर कट के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने हाथी करौदा निवासी नरेंद्र और उनके भाई नरेशपाल से हथियार के बल पर मोबाइल, नकदी और बाइक की चाबी लूट ली। विरोध करने पर बदमाशों ने फायरिंग कर जानलेवा हमला किया और फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर थाना आदर्शमंडी में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने तत्काल बदमाशों की तलाश शुरू कर दी।अभियान के दौरान थाना कांधला क्षेत्र स्थित खन्द्रावली पुलिया के पास एक ट्यूबवेल पर पुलिस का बदमाशों से आमना-सामना हो गया। पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में आत्मरक्षा में पुलिस ने भी गोली चलाई। मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश महताब गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उपनिरीक्षक दीपचंद भी गोली से जख्मी हो गए। दोनों को जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने महताब को मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने मौके से लूटा गया मोबाइल फोन, नकदी, बाइक की चाबी, बिना नंबर प्लेट की हीरो होंडा मोटरसाइकिल, एक 9 एमएम पिस्टल, एक कार्बाइन, भारी मात्रा में जिंदा कारतूस तथा खोखा कारतूस बरामद किए हैं।

कैराना थाने का हिस्ट्रीशीटर था मारा गया बदमाश

पुलिस के मुताबिक महताब थाना कैराना का हिस्ट्रीशीटर था और उस पर शामली, सहारनपुर तथा हरियाणा के पानीपत सहित विभिन्न जनपदों में हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी, गैंगस्टर और आर्म्स एक्ट समेत 47 आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। उस पर पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र की ओर से 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

26 साल पूर्व अपराध की दुनिया में रखा था कदम

पुलिस का कहना है कि महताब लंबे समय से संगठित अपराध में सक्रिय था। वर्ष 2000 में उसने अपराध की दुनिया में पहला कदम रखा था और 12 वर्षीय किशोर की हत्या कर दी थी. वर्ष 2013 से 2017 के बीच उसने शामली के कई व्यापारियों से रंगदारी भी मांगी थी, जिससे व्यापारियों और आम लोगों में भय का माहौल बना रहता था। फिलहाल फरार साथी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

दुधारा थाना क्षेत्र में परम्परागत तरीके से मनाया गया मोहर्रम

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। शुक्रवार को दुधारा थाना क्षेत्र में मोहर्रम परम्परागत तरीके से मनाया गया। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों में कर्बला में ताजियों को दफन कर दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मुकामी पुलिस मुस्तैद रही। थाना दुधारा क्षेत्र के गांव परसाशेख, पचपोखरी, चिउटना, नौवांगांव, केकरहो, सालेहपुर, सफियाबाद, सिसवादाखिली, गजौली शेख, बरडाड़, जामडीह, कबरा, शाहपुर,परसा कला आदि क्षेत्र के गांवों में शुक्रवार को मोहर्रम अकीदत व एहतराम के साथ मनाया गया। अकीदतमंदों ने जुलूस निकालकर आखिरी पैगम्बर हजरत मुहम्मद(सल्ल.) के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद किया। इस दौरान आठ जगहों पर भारी सुरक्षा के बीच जुलूस निकाला गया। क्षेत्र के गांवों में स्थित कर्बला में 37 ताजियों को दफन किया गया। क्षेत्र में शान्ति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दुधारा थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा के नेतृत्व में पुलिस अमला पूरी तरह मुस्तैद रहीं।

क्रैक साइबर क्राइम अभियान के तहत साइबर ठगी के शिकार पीड़ित को साइबर हेल्प डेस्क दुधारा ने 10,000 की राशि वापस दिलाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शुक्रवार को दुधारा थाना साइबर हेल्प डेस्क पुलिस द्वारा ठगी के शिकार पीड़ित को धनराशि उसके खाते में वापस कराई। साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित राहत दिलाने के क्रम में साइबर हेल्प डेस्क थाना दुधारा थानाध्यक्ष अमित कुशवाहा, साइबर सेल प्रभारी उ0नि0 अनिल मिश्रा, का0 अनुज कुमार, का0 ऋषिकेश यादव, का0 हर्ष सिंह, म0का0 एकता सिंह ने सतत प्रभावी कार्रवाई कार्यवाही करते हुए साइबर ठगी के शिकार पीड़ित को 10,000 रुपये की धनराशि उनके खाते में वापस कराई। विजय कुमार दुबे निवासी ग्राम सुम्हा थाना दुधारा जनपद संतकबीरनगर के माता जी के पास दिनाँक 20.04.2025 को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन स्वयं को रिश्तेदार बताते हुए हास्पिटल में भर्ती होने का हवाला देते हुए 10000 रुपये मंगा लिया गया पीड़ित को जानकारी होने पर उनके साथ साइबर फ्राड हो गया है साइबर सेल थाना दुधारा में शिकायत की गयी। साइबर हेल्प डेस्क पर तैनात आरक्षी ऋषिकेश यादव द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए शिकायत पंजीकृत की गयी। पुलिस की प्रभावी पैरवी से 10,000 रुपये की सम्पूर्ण धनराशि आवेदक के खाते में सफलतापूर्वक वापस करा दी गयी है। थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक, कॉल या संदेश पर अपनी बैंक जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड या यूपीआई पिन साझा न करें। कोई व्यक्ति फोन पर रिश्तेदार या दोस्त बनकर पैसों की मांग करे, तो बिना उसकी पहचान की पुष्टि (वीडियो कॉल या अन्य माध्यम से) किए पैसे न भेजें। साइबर अपराधी अक्सर आवाज बदलकर या भावनात्मक दबाव बनाकर ठगी करते हैं। 04. किसी भी संदिग्ध लेनदेन की शिकायत तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर अथवा cybercrime.gov.in पर दर्ज करें।

भीषण गर्मी में शर्बत-पेयजल सेवा बनी सहारा, समाजसेवी की पहल की सराहना

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच कस्बे में समाजसेवी अखिल राजेश्वर बंसल की ओर से शुद्ध शर्बत एवं शीतल पेयजल सेवा लगातार संचालित की जा रही है। इस सेवा का शुभारंभ जावेद जंग और पवन कंसल ने संयुक्त रूप से किया। नगरवासी, व्यापारी और राहगीर इस पहल की सराहना कर रहे हैं।

नगर के प्रमुख बाजारों, व्यस्त मार्गों और मलिन बस्तियों में टैंकर के माध्यम से शीतल पेयजल और शर्बत उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में राहगीर, मजदूर और ग्रामीण इस सेवा का लाभ उठा रहे हैं। व्यवस्था के संचालन में नगर पालिका का भी सहयोग मिल रहा है।समाजसेवी राजेश्वर बंसल ने कहा कि भीषण गर्मी में प्यासे को पानी और शर्बत पिलाना सबसे बड़ा मानवीय धर्म है। उन्होंने बताया कि गर्मी का प्रकोप समाप्त होने तक यह सेवा निरंतर जारी रहेगी, ताकि नगर में कोई भी व्यक्ति प्यासा न रहे।इस दौरान मेहरचंद सिंघल, शरद मित्तल, रोहित गुप्ता, अमन मित्तल, राजेंद्र आचार्य, अरविंद कंसल, डॉ. विक्रम सैनी सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी मौजूद रहे।

जेल में बंद दुष्कर्म के आरोपी की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया मारपीट का आरोप

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा कुर्तान निवासी एक युवक की मुजफ्फरनगर जिला कारागार में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने जेल प्रशासन पर युवक के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा कुर्तान निवासी आदिल का विवाह कांधला कस्बे की एक युवती से हुआ था। चार मई को वह अपनी नाबालिग साली को साथ लेकर चला गया था। काफी तलाश के बाद भी दोनों का पता नहीं चलने पर युवती के परिजनों ने उसके खिलाफ नाबालिग को भगाने का मुकदमा दर्ज कराया था।बाद में पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया। मेडिकल परीक्षण में दुष्कर्म की पुष्टि होने पर मुकदमे में पॉक्सो एक्ट सहित संबंधित धाराएं बढ़ा दी गई थीं। मामले में आरोपी आदिल ने 20 जून को कैराना न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था, जिसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में मुजफ्फरनगर जिला कारागार भेज दिया गया था।शुक्रवार को जेल में उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिजन जिला कारागार पहुंच गए और जेल प्रशासन पर मारपीट का आरोप लगाया। वहीं पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

घर में घुसकर सात हजार की नकदी चोरी करते युवक को लोगों ने दबोचा

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के मोहल्ला मिर्दगान में घर में घुसकर नकदी चोरी करने का प्रयास कर रहे एक युवक को लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। कस्बे के मोहल्ला मिर्दगान निवासी अकरम ने बताया कि वह घर में चारपाई पर लेटा हुआ था। इसी दौरान उसे आहट सुनाई दी। आरोप है कि एक युवक घर में घुसकर करीब सात हजार रुपये की नकदी लेकर बाहर निकलने का प्रयास कर रहा था। अकरम ने शोर मचा दिया, जिस पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और युवक को पकड़ लिया। इसके बाद लोगों ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को अपनी हिरासत में ले लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मोहसिन निवासी मोहल्ला मुस्तफाबाद, कांधला बताया।पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और तहरीर के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

गम, अकीदत और इंसानियत के पैगाम के साथ मनाया गया मोहर्रम

हल्लौर में निकाला गया अलम, जूलजनाह का ऐतिहासिक मातमी जुलूस

असदुल्लाह सिद्दीकी

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जनपद में मोहर्रम का पर्व जुमा को गम, अकीदत और धार्मिक श्रद्धा के माहौल में मनाया गया। उपनगर हल्लौर में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने पारंपरिक जुलूस निकाला और हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए मातम किया। पूरे क्षेत्र में 'या हुसैन' या अली, या अब्बास की सदाओं के बीच माहौल गमगीन और भावुक बना रहा।

जुलूस में शामिल अकीदतमंदों ने जंजीरी मातम और सीनाजनी कर कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। अंजुमन फरोग मातम, अंजुमन गुलदस्ता मातय द्वारा नौहाख्वानी और सीनाझनी की गई, जिससे माहौल पूरी तरह गम में डूबा नजर आया। हल्लौर में आयोजित रोजे आशूरा की तकरीर के पोरोग्राम में मौलाना महफूज, जाकिर जमाल हैदर, अजीम हैदर आदि वक्ताओं ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन ने कर्बला के मैदान में जुल्म और अन्याय के सामने झुकने के बजाय सच्चाई, इंसाफ और इंसानियत की रक्षा के लिए अपनी और अपने परिवार की कुबार्नी दी। तीन दिनों तक भूखे-प्यासे रहने के बावजूद उन्होंने अपने उसूलों से समझौता नहीं किया। उनकी शहादत आज भी पूरी दुनिया को अमन, भाईचारे, त्याग और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद रहा। जुलूस के पूरे मार्ग पर पुलिस बल तैनात रहा तथा अधिकारियों ने लगातार भ्रमण कर व्यवस्था का जायजा लिया। मोहर्रम का आयोजन शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। मोहर्रम केवल शोक का पर्व नहीं, बल्कि इंसानियत, न्याय और सच्चाई के लिए हर कुबार्नी देने की प्रेरणा देने वाला संदेश भी है। हल्लौर का ऐतिहासिक मोहर्रम हर वर्ष की तरह इस बार भी अपनी धार्मिक परंपराओं, अनुशासन और आपसी भाईचारे की मिसाल बनकर सामने आया।

श्रीगोपाल नारसन राष्ट्रीय गौरव सम्मान से विभूषित

वेलकम इंडिया ब्यूरो

रुड़की। रुड़की-विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ श्रीगोपाल नारसन को नेशनल वीआईपी प्रेस क्लब द्वारा देहरादून में राष्ट्रीय गौरव सम्मान से विभूषित किया है। उन्हें यह सम्मान पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक, सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी व पूर्व सूचना आयुक्त योगेश भट्ट तथा क्लब पदाधिकारियों ने प्रदान किया है। इससे पूर्व उन्हें स्वामी विवेकानंद पर्सनलिटी ऑफ द ईयर अवार्ड से नवाजा गया था। उन्हें यह सम्मान उनकी साहित्यिक सेवाओं के लिए मिला है। श्रीगोपाल नारसन को हाल ही में विगत 11 वर्षों से प्रतिदिन एक आध्यात्मिक कविता लिखने व उपभोक्ता कानून जागरूकता के लिए उनका नाम लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया था। यूनाइटेड किंगडम यूरोपियन यूनियन हैड डॉ लिवान जसिनिया व इंटरनेशनल चेयरमैन डॉ डी साकुंडे द्वारा जारी प्रमाण पत्र में श्रीगोपाल नारसन की उक्त उपलब्धि के लिए प्रसंशा की गई। श्रीगोपाल नारसन प्रतिदिन ब्रह्माकुमारीज विचारों से प्रेरित आध्यात्मिक एवम सदाचरण से जुड़ी 12 पंक्तियों की कविता अमृतबेला में सुबह 4 बजे लिखते है और 11 वर्षों में कभी ऐसा नही हुआ जो उनसे कविता लिखने का क्रम छुटा हो,इसे एक रिकॉर्ड मानते हुए ही उनका नाम लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया।

ईमाम हसन हुसैन की याद में शहर में निकला मोहर्रम का ताजिया जुलूस

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। ईमाम हसन हुसैन की याद में मुस्लिम समाज के लोगों ने शुक्रवार को शहर में मोहर्रम का ताजिया जुलूस निकाला। जिला मुख्यालय स्थिति नौगढ़ शहर में लगभग कई दर्जन ताजिया निकाले गए। जुलूस में चल रहे युवकों ने हसन-हुसन के नारे लगाए और करतब भी दिखाए। कई स्थानों पर अखाड़े का आयोजन भी शहर में हुआ।

मुस्लिम धर्मावलंबियों के लिए मोहर्रम का महीना नए साल की शुरूआत का है। उनके लिए यह महीना कई मायनों में खास और गमगीन यादों से जुड़ी है। नए वर्ष के साथ ही शहीदे करबला का वाक्या भी इस्लाम के दुश्मनों के द्वारा धोखे से किए बर्बरता पूर्वक जुल्म और अत्याचार की याद दिलाता है। मोहर्रम का महीना शुरू होते ही कई मुस्लिम धर्मावलंबियों ने 1 से 10 दिन तक रोजे रखकर इबादत की। रोजे की फजीलत के बारे में आजाद नगर जामा मस्जिद के इमाम ने बताया कि इस्लाम आने से पहले मोहर्रम की 10 तारीख को रोजा रखना अनिवार्य था। इस्लाम आने के बाद भी मुसलमानों पर यह रोजा फर्ज था लेकिन रमजान में एक महीने का रोजा फर्ज हो जाने के बाद इस रोजे की अनिवार्यता खत्म हो गई। पैगंबर मोहम्मद स.अ.व. ने फरमाया कि रोजा रखने से बहुत सवाब (पुण्य) मिलता है। मुस्लिम धर्मावलंबियों ने 10 दिन तक रोजे रखकर इबादत की, तेतरी जामा मस्जिद व आजाद नगर,बेलसड़,चरियनवां, गोबरहवा, खजुरिया से निकला ताजिया।

अखाड़ों में मुस्लिम समाज के नौजवानों ने दिखाया जौहर करबला की ऐतिहासिक युद्ध में किस प्रकार यजीद की सेना और हजरत इमाम हुसैन के चाहने वालों के बीच छल, फरेब, जुल्म और आतंक के माहौल में करबला की लड़ाई लड़ी गई, इसी की याद में मुस्लिम समाज के नौ जवान व बच्चे लाठी, बर्छे और तलवारों से तरह तरह के हैरत अंगेज करतब अखाड़े में दिखाते हैं। आजाद नगर से ताजिया जुलूस निकलने के बाद रेलवे स्टेशन रोड़ कर्बला तक पहुंचा। युवकों व बच्चों की टोलियों ने हैरत अंगेज करतब दिखाए। इस जुलूस में लोगों के हौसले को बढ़ाने के लिए युवकों ने मातमी धुनों के बीच डंका बजा कर गम का इजहार किया।जुलूस में बड़ी संख्या में सभी धर्मों के लोग उपस्थित थे। इस दौरान सिद्धार्थनगर थाना पुलिस बल पूरी तरह से मुस्तैद रही।

पूरे जिले भर मे इबादत अकीदत के साथ मोहर्रम का जुलूस निकाला गया। नगर के आजाद नगर, बेलसड़, गोबरहवा, कृष्ण नगर मोहल्ला, खजुरिया ,पोखरभिटवा, बिनैका, दतंरगवा आदि क्षेत्रों में बनाए गये मोहर्रम के ताजियों का जुलूस शहर के हुसैन गंज मे एवं सोना लाज के पास एवं अन्य स्थानों पर मुख्य जुलूस के साथ इकट्ठा होकर बस स्टैण्ड, आजाद मोहल्ला, तेतरी बाजार चौराहा, पेट्रोल पंप होकर रेलवे स्टेशन रोड़ कर्बला पहुंचा जहां फातेहा पढ़ने के साथ मोहर्रम जुलूस का समापन किया गया।

शराब के नशे में हंगामा, दो भाइयों में मारपीट, एक घायल

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव डुंडुखेड़ा में शराब के नशे में हंगामा कर रहे युवक को समझाना उसके भाई को भारी पड़ गया। कहासुनी के बाद दोनों भाइयों के बीच मारपीट हो गई, जिसमें एक युवक के सिर में ईंट लगने से वह घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों भाइयों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। गांव निवासी अंकुश शुक्रवार को पानीपत से अपने घर आया था। आरोप है कि दोपहर में शराब पीने के बाद वह घर में हंगामा करने लगा। पहले उसकी मां ने उसे शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना। इसी दौरान उसका भाई विकास भी घर पहुंच गया। विकास ने भी अंकुश को समझाने की कोशिश की, लेकिन बात बढ़ गई और दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई।आरोप है कि मारपीट के दौरान विकास ने अंकुश के सिर पर ईंट मार दी, जिससे वह घायल हो गया। वहीं, झगड़े में विकास को भी चोटें आईं। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोगों ने डायल-112 पुलिस को सूचना दी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों भाइयों को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। थाना प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि दो भाइयों के बीच मारपीट की सूचना मिली थी। दोनों को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

ईंट भट्ठे के लाइसेंस निरस्तीकरण की मांग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से शिकायत

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के कस्बा एलम के निवासियों ने क्षेत्रीय अधिकारी, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मुजफ्फरनगर को शिकायत पत्र भेजकर एलम स्थित मैसर्स अश्वनी पंवार ब्रिक फील्ड के लाइसेंस को निरस्त करने की मांग की है। परिवार को थाना क्षेत्र के कस्बा एलम निवासी, जगपाल, यशवीर सिंह,नागेंद्र, वीरेंद्र,सुदेश देवी सहित आदि का आरोप है कि ईंट भट्ठा उत्तर प्रदेश शासन एवं पर्यावरण संबंधी निर्धारित मानकों का उल्लंघन करते हुए संचालित किया जा रहा है।शिकायत में कहा गया है कि शासनादेश एवं निर्धारित नियमों के अनुसार कोई भी ईंट भट्ठा नगर पालिका, नगर परिषद या नगर पंचायत की सीमा से निर्धारित दूरी पर स्थापित होना चाहिए। आरोप है कि संबंधित भट्ठा नगर पंचायत एलम से करीब 1.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है।शिकायतकताओं का कहना है कि भट्ठे से निकलने वाले धुएं, प्रदूषण से क्षेत्र की बड़ी आबादी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। उन्होंने आरोप लगाया कि नियमों की अनदेखी कर भट्ठे को अनुमति दी गई, जबकि यह मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से नियमों के विपरीत संचालित बताए जा रहे ईंट भट्ठे का लाइसेंस निरस्त करने तथा संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की गई है।

रोमांचक मुकाबले में परफेक्ट मिशन ने केंद्रीय कारागार को हराया

शानदार प्रदर्शन के लिए रामकरन को मिला मैन ऑफ द मैच का खिताब

संदीप तिवारी

मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। कैदियों को मानसिक तनाव से मुक्त रखने और खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को शिवपुर स्थित केंद्रीय कारागार के खेल मैदान में एक बेहद रोमांचक मैत्री क्रिकेट मैच खेला गया।

यह मुकाबला परफेक्ट मिशन एकादश और केंद्रीय कारागार एकादश के बीच हुआ, जिसमें परफेक्ट मिशन की टीम ने अपने शानदार खेल के दम पर जीत का परचम लहराया। धुआंधार बल्लेबाजी करने वाले परफेक्ट मिशन के रामकरन यादव को 'मैन ऑफ द मैच' की ट्रॉफी से नवाजा गया। रामकरन के लगातार चार छक्कों ने खेल का पासा पलट दिया। टॉस जीतकर परफेक्ट मिशन एकादश के कप्तान मनीष दीक्षित ने पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला लिया। केंद्रीय कारागार की तरफ से प्रखर मिश्रा (23 रन) और लक्ष्मीशंकर यादव ने पारी की शुरूआत की।

परफेक्ट मिशन के गेंदबाज विकास यादव ने घातक गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में महज 9 रन देकर 3 विकेट झटके और जेल टीम पर दबाव बना दिया। इसके बाद जेल वार्डर प्रेमचन्द्र मौर्या ने मोर्चा संभाला और सूझबूझ से खेलते हुए टीम के स्कोर को निर्धारित 12 ओवरों में 89 रन तक पहुंचाया।

90 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी परफेक्ट मिशन की टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। रामकरन यादव ने जेल टीम के प्रमुख गेंदबाज शिखर मिश्रा की लगातार 4 गेंदों पर 4 गगनचुंबी छक्के जड़कर मैच को एकतरफा कर दिया। रामकरन ने मात्र 17 गेंदों पर 45 रनों

(6 छक्के, 1 चौका) की आतिशी पारी खेली।

दूसरी ओर कप्तान मनीष दीक्षित भी पिच पर चट्टान की तरह डटे रहे और टीम ने 10वें ओवर में ही 8 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। मैच के समापन पर दोनों टीमों की हौसला अफजाई करते हुए केंद्रीय कारागार के वरिष्ठ अधीक्षक राधाकृष्ण मिश्र ने कहाकि कारागार प्रशासन का यह निरंतर प्रयास रहता है कि जेल में निरुद्ध बंदियों के एकाकी जीवन में समरसता लाई जाए।

समय-समय पर खेलकूद और मनोरंजक कार्यक्रमों के आयोजन से बंदियों को मानसिक तनाव और अवसाद से दूर रखने में बड़ी मदद मिलती है। इससे पहले मैच की शुरूआत वरिष्ठ जेल अधीक्षक राधाकृष्ण मिश्र और दैनिक परफेक्ट मिशन के समाचार संपादक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और उनका उत्साहवर्धन करके किया था। जीत के बाद परफेक्ट मिशन के प्रधान संपादक व कप्तान मनीष दीक्षित ने भी अपनी टीम को बधाई दी।

वहीं परफेक्ट मिशन की शानदार जीत पर दैनिक परफेक्ट मिशन के कार्यकारी संपादक व पीपीसी के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पाठक ने भी सभी खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए जीत की बधाई दी और निरंतर ऐसे ही परफेक्ट मिशन के बेहतर प्रदर्शन हेतू शुभकामनायें दिया। इस मौके पर जेलर अखिलेश कुमार, डिप्टी जेलर अखिलेश कुमार मिश्र, परफेक्ट मिशन के डिजिटल हेड ऋषिकेश पाण्डेय, प्रबंधक पुष्कर दीक्षित, वरिष्ठ पत्रकार आनंद तिवारी, रवि प्रकाश वाजपेई, शशांक सिंह, आकाश सरोज, राहुल पाण्डेय, ऋतुराज उपाध्याय, आयुष दीक्षित, सत्यम दूबे, अमन पाण्डेय सहित कारागार के कई अधिकारी, कर्मचारी और भारी संख्या में पत्रकार गण मौजूद रहे। परफेक्ट मिशन एकादश टीम में मनीष दीक्षित (कप्तान), भानु प्रताप सिंह आशीष तिवारी, विकास यादव, रामकरन यादव, शिवम पटेल, शशांक मिश्रा, राहुल शर्मा, सुभाष विश्वकर्मा, देवांग सिंह, प्रवीण तिवारी शामिल रहे। वहीं केंद्रीय कारागार एकादश टीम में धर्मेन्द्र यादव, प्रखर मिश्रा, शिखर मिश्रा, लक्ष्मीशंकर यादव, शिवशंकर, प्रेमचन्द्र मौर्या, धनंजय सिंह, मोईन कालिया, रंजीत, अवधेश, चन्दन यादव की भागीदारी रही।

साधु बाबा ने मंदिर में फांसी लगाकर की आत्महत्या पुलिस जांच में जुटी

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। मंदिर में रस्सी से साधु बाबा ने फांसी लगाई लगाकर की आत्महत्या। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकारपुर में गनी आरा मशीन के पास मौहल्ला नौगंज स्थित चामड़ मंदिर में पांच छ वर्षो से रह रहे पुजारी (बाबा) विट्ठू पुत्र फतेह सिंह उम्र 28 वर्ष निवासी मौहल्ला नौगंज शिकारपुर द्वारा अपने को स्वयं कमरे में बंद कर गले में रस्सी से फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर कर ली। पूजा अर्चना करने के लिए पहुंचे मंदिर के भक्तों ने शुक्रवार सुबह को कमरा नहीं खुलने पर खिड़की से झांक देखा तो हृदय विदारक दृश्य देखने पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई पुलिस को सूचना दी गई सूचना मिलने ही पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजे को तोड़ा गया उसके बाद फोरेंसिक टीम ने जांच की और पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। पुलिस का कहना है कि मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है फिलहाल पुलिस तमाम बिंदुओं पर जांच पड़ताल में जुटी है।

अपना दल एस कैंप कार्यालय पर मनाई गई छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। छत्रपति शाहूजी महाराज ने शोषितों, वंचितों और पिछड़ों के अधिकारों के लिए जो ऐतिहासिक कार्य किए, वे आज भी हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं। हमारी पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के कुशल नेतृत्व में अपना दल (एस) उन्हीं के दिखाए सामाजिक न्याय के मार्ग पर पूरी निष्ठा से आगे बढ़ रहा है। अनुप्रिया पटेल समाज के हर पिछड़े और वंचित वर्ग को उसका हक और सम्मान दिलाने के लिए निरंतर संघर्षरत हैं उक्त विचार अपना दल एस बुलंदशहर के जिला अध्यक्ष राजकुमार भुर्जी ने अपना दल एस के स्याना कैम्प कार्यालय पर आयोजित छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए जिला अध्यक्ष ने कहा कि आज के दिन हमें माननीया अनुप्रिया पटेल जी के हाथों को मजबूत करने और छत्रपति शाहूजी महाराज के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेना

चाहिए। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे संगठन को और गतिशील बनाएं तथा पार्टी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाएं। इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकताओं ने माननीया अनुप्रिया पटेल जी के नेतृत्व में आस्था व्यक्त करते हुए समाज सेवा और संगठन की मजबूती के लिए समर्पित रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजकुमार भुर्जी जिला अध्यक्ष, पुरुषोत्तम सैन जिला उपाध्यक्ष, कृष्ण कुमार जिला महासचिव, दीपक गौतम विधान सभा अध्यक्ष स्याना, गोपाल शर्मा जिला अध्यक्ष बौद्धिक मंच, भगवत जाटव जिला सचिव, डॉ प्रशांत माहुर जिला उपाध्यक्ष चिकित्सा मंच, अशोक लोधी, राकेश कुमार, सौरभ कुमार, दीपक कुमार, सतीश लोधी युवा मंच, दुष्यंत कुमार, अमित कुमार, सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डरा धमकाकर किशोरी से दुष्कर्म

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। अमरगढ चौकी क्षेत्र निवासी नाबालिग लड़की से चाकू के बल पर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना के बाद गांव में तनाव है। आरोपी व पीड़िता दोनों अलग-अलग पक्ष के है। पुलिस ने पीड़िता को मैडिकल परीक्षण को भेज दिया है। पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पीड़िता के परिजनों ने थाना जहांगीराबाद में तहरीर देकर इरफान पुत्र नफीस को नामजद कर बताया है कि पिछले 4/5 दिनों से किशोरी को परेशान कर रहा था। परिजन उसे लगातार समझा रहे थे। परिजनों के अनुसार आरोपी रात में पीड़िता के घर में घुस गया और चाकू के बल पर धमकी देकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया और किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। घटना की जानकारी होते ही परिजन थाने पहुंचे और तहरीर दे शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर फ और फौरन कार्रवाई करते हुए आरोपी इरफान पर पाक्सो एक्ट समेत अन्य संगीन धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। पीड़िता को मैडिकल परीक्षण के लिए महिला जिला अस्पताल भेज दिया गया है। मैडिकल रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जायेगी। चौकी प्रभारी अमरगढ विशाल चौधरी ने बताया कि आरोपी फरार है, गिरफ्तारी को तीन टीमें गठित की गई है। पुलिस जगह जगह दबिश दे रही है। मामला दो पक्षों का होने के कारण पुलिस प्रशासन अलर्ट है। पीड़िता की उम्र 17 वर्ष है। तहरीर के अनुसार मुकदमा पंजीकृत कर दिया गया है। आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी। पीड़िता के परिवार को पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जायेगी।

श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धा के साथ समापन

बुगरासी/अहार(वेलकम इंडिया)। अहार के अवंतिका देवी स्थित श्री रूक्मिणी बल्लभ धाम में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा के नवम वार्षिकोत्सव के अंतर्गत चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुक्रवार को विधिवत समापन हो गया। अंतिम दिन कथा पंडाल में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कथावाचक स्वामी श्री शिव चेतन्य ब्रह्मचारी महाराज ने भगवान श्री कृष्ण के आदर्श जीवन उनकी बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए कहा कि भागवत कथा मानव को सत्य करूणा और सेवा का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति से जीवन में सुख शांति और आत्मिक संतोष की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर भक्तों ने गीतो व कीर्तन के माध्यम से भगवान का गुणगान किया।

पूर्व मंत्री राजू भैया ने डरोरा पहुंचकर सेवानिवृत्त दारोगा रामप्रसाद सिंह को दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एवं अखिल भारतीय लोधी कल्याण महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक राजवीर सिंह उर्फ 'राजू भैया' ने शुक्रवार को जहांगीराबाद क्षेत्र के गांव डरोरा पहुंचकर सेवानिवृत्त दारोगा रामप्रसाद सिंह के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। रामप्रसाद सिंह, राजू भैया के सुरक्षाकर्मी पी.एस. भारती के पिता थे। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। राजू भैया ने शोकाकुल परिवार के घर पहुंचकर दिवंगत की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने अपने सुरक्षाकर्मी पी.एस. भारती और उनके परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और इस कठिन समय में धैर्य रखने की अपील की। दिवंगत को नमन करते हुए राजू भैया ने कहा कि रामप्रसाद सिंह ने अपने पुलिस सेवा काल के दौरान पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन किया था। उन्होंने कहा कि उनका जाना न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस श्रद्धांजलि सभा में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अखिल भारतीय लोधी कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष साहेब सिंह राजपूत, चेयरमैन किशन पाल लोधी, शंभू सिंह लोधी, जयप्रकाश चौधरी, राजपाल चितसोना, ब्लॉक प्रमुख आनंद लोधी एवं प्रदीप चौधरी सहित कई समाजसेवी उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत की स्मृतियों को नमन करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं।

गांधीनगर में सदस्य-बुनकरों के लिए तीन दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण का सफल समापन

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी/गांधीनगर(वेलकम इंडिया)। वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत विकास आयुक्त (हथकरघा) द्वारा उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद में आयोजित तीन दिवसीय प्रोड्यूसर कंपनी के सदस्य बुनकरों हेतु क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम' का द्वितीय बैच सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में 40 राज्यों से आए बुनकर प्रोड्यूसर कंपनियों के सदस्य-बुनकरों एवं निदेशकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान प्रतिभागियों को उद्यमिता, व्यवसाय प्रबंधन, विपणन, वित्तीय सशक्तिकरण तथा आधुनिक कार्यप्रणालियों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में बुनकर अध्यक्ष मोहम्मद स्वालेह अंसारी, बजरडीहा प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक हामिद सलमान, वलीदपुर प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक सरफराज, कोटवा प्रोड्यूसर कंपनी के निदेशक अनवर सहित विभिन्न प्रोड्यूसर कंपनियों के निदेशक भी शामिल रहे। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए ऐसे कार्यक्रमों को बुनकरों के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ईडीआईआई के जीआई प्रमुख इन्द्र वदन के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

पत्रकारों के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर उपजा की जिला बैठक संपन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन (उपजा) जनपद बुलन्दशहर इकाई की महत्वपूर्ण जिला बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला महासचिव दीपक शर्मा ने की, जबकि संचालन जिला सचिव सर्वेश राणा ने किया। बैठक में जिले के विभिन्न समाचार पत्रों, टीवी चैनलों एवं डिजिटल मीडिया से जुड़े अनेक पत्रकारों ने भाग लिया। बैठक में पत्रकारों की सुरक्षा, अधिकारों, सामाजिक सुरक्षा, संगठन की मजबूती तथा पत्रकार हितों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष नन्दकिशोर ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकारों को संगठित होकर कार्य करना होगा। यदि पत्रकार एकजुट रहेंगे तो किसी भी अधिकारी या अन्य व्यक्ति द्वारा उन पर झूठे आरोप लगाने अथवा उत्पीड़न करने का प्रयास सफल

नहीं होगा। उन्होंने संगठन की मजबूती पर विशेष बल दिया। जिला महासचिव दीपक शर्मा ने कहा कि पत्रकारों के लिए आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस मांग को लेकर शीघ्र ही जिलाधिकारी के माध्यम से सरकार को ज्ञापन सौंपा जाएगा, ताकि पत्रकारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिल सके। जिला सचिव सर्वेश राणा ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, लेकिन आज भी उन्हें अपेक्षित अधिकार और सुविधाएं प्राप्त नहीं हैं। सरकार को पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। जिला कोषाध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि सभी पत्रकारों को आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट रहना चाहिए, जिससे किसी भी पत्रकार को अनावश्यक मुकदमों या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े। वरिष्ठ पत्रकार कैलाश शर्मा ने कहा कि पत्रकारों की एकता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और सरकारों को भी पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर होना चाहिए। जिला मीडिया प्रभारी जेपी गुप्ता ने पत्रकारों के लिए पेंशन योजना लागू किए जाने की मांग उठाते हुए कहा कि लंबे समय तक समाज और लोकतंत्र की सेवा करने वाले पत्रकारों को सरकार की ओर से सामाजिक सुरक्षा मिलनी चाहिए। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, पत्रकार हितों की रक्षा तथा भविष्य की रणनीति पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में उपस्थित प्रमुख पदाधिकारी एवं सदस्य

जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष नन्दकिशोर लोधी, जिला महासचिव दीपक शर्मा, जिला सचिव सर्वेश राणा, जिला कोषाध्यक्ष अनिल कुमार, जिला सह-कोषाध्यक्ष के. प्रसाद, जिला मीडिया प्रभारी जेपी गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष मोहित कौशिक, वरिष्ठ पत्रकार कैलाश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार अनिल तोमर सहित जिले के विभिन्न मीडिया संस्थानों से जुड़े अनेक पत्रकार उपस्थित रहे।

वीरांगना रानी दुर्गावती नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित हुई मन्नत रंधावा और दिव्याना

वेलकम इंडिया ब्यूरो

कांगड़ा। कांगड़ा हिमाचल प्रदेश की उभरती हुई युवा लेखिकाएं मन्नत रंधावा और दिव्याना को समाज में अपने लेखन और चित्रकारी के उत्कृष्ट योगदान, महिला सशक्तिकरण-नेतृत्व क्षमता और सार्वजनिक सेवा के लिए इंटरनेशनल एकेडमी फॉर ह्यूमन एक्सीलेंस संस्था द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती नारी शक्ति सम्मान देकर सम्मानित किया गया उनको यह सम्मान संस्था के अध्यक्ष तथा फाउंडर डॉ.टीकम सोनी द्वारा वर्चुअल माध्यम से दिया गया। मन्नत रंधावा, दिव्याना तथा उनके माता-पिता जगदीश सिंह, कमलेश कुमारी, मनिंदर सिंह और आशा देवी द्वारा छात्राओं के साहित्यिक गुरु डॉ.राजीव डोगरा का धन्यवाद किया जिनके मार्गदर्शन से उनको इतनी बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई।

खेतों पर पानी लगाते समय पूर्व प्रधान लापता, काली नदी में तलाशी अभियान जारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर/बुलंदशहर। जनपद के थाना सलेमपुर क्षेत्र के गांव पारौली गांव से एक चिंताजनक मामला सामने आया है, जहाँ गांव के पूर्व प्रधान सुनील राघव उर्फ सन्नी (54 वर्ष), पुत्र नेपाल सिंह, बुधवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। परिजनों को अनहोनी की आशंका है।

घटना का विवरण

परिजनों के अनुसार, सुनील राघव बुधवार (24 जून) की रात लगभग 11

बजे अपने खेतों पर पानी लगाने गए थे। जब वे काफी देर तक घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की।

नदी किनारे मिले सामान

बृहस्पतिवार (25 जून) की सुबह जब परिजन पुनः तलाश करते हुए काली नदी के किनारे पहुंचे, तो उन्हें वहां सुनील राघव की चप्पलें और उनका मोबाइल फोन बरामद हुआ। सामान मिलने के बाद परिजनों ने आशंका जताई है कि संभवतः खेत में पानी लगाते समय पैर फिसलने या किसी अन्य दुर्घटना के चलते वे नदी के गहरे पानी में गिर गए होंगे।

प्रशासन द्वारा तलाशी अभियान

घटना की सूचना मिलते ही परिजन सलेमपुर थाने पहुंचे और पुलिस को लिखित तहरीर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस ने तत्परता दिखाई। काली नदी (गांव आंचरू कलां, थाना शिकारपुर क्षेत्र) में खोजबीन के लिए पीएसी 44वीं बटालियन, अनूपशहर की टीम को बुलाया गया। यूनिट इंचार्ज हेड कांस्टेबल रामकिशोर के नेतृत्व में बचाव दल ने स्टीमर की मदद से नदी में काफी देर तक सर्च ऑपरेशन चलाया। हालांकि, खबर लिखे जाने तक पूर्व प्रधान का कोई सुराग नहीं मिल सका है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। पुलिस का कहना है कि गोताखोरों और स्टीमर की मदद से तलाश लगातार जारी है। थाना प्रभारी सलेमपुर नितिन जावला ने बताया है कि अभी तक काली नदी में सर्च ऑपरेशन जारी है पूर्व प्रधान का कोई सुराग नहीं मिला है फिर भी फिलहाल पुलिस और भी तमाम बिंदुओं पर जांच पड़ताल में जुटी है।

किसान हित में संघर्षनात्मक एवं सृजनात्मक कार्य ही स्वामी सहजानन्द सरस्वती के प्रति सबसे सच्ची श्रद्धान्जली है: विनय शंकर राय 'मुन्ना'

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी(वेलकम इंडिया)। स्वामी सहजानंद सरस्वती किसान महासभा के तत्वावधान में किसान अन्दोलन के जनक महान स्वतंत्रता सेनानी स्वामी सहजानन्द सरस्वती की 76वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सायं छह बजे श्रद्धान्जली सभा एवं किसान अधिकार संवाद का आयोजन स्वामी सहजानंद किसान महासभा के राष्ट्रीय महासचिव एवं किसान नेता विनय शंकर राय 'मुन्ना' के अध्यक्षता में हुआ। विनय राय 'मुन्ना' ने कहा कि अन्न दाता किसानों के हक-अधिकार के लिये संघर्षनात्मक एवं सृजनात्मक कार्य ही स्वामी सहजानंद सरस्वती के प्रति सच्ची श्रद्धान्जली होगी। सभा में

वाराणसी के किसानो के व्यापक हित में संघर्षनात्मक एवं सृजनात्मक कार्य करने एवं स्वामी सहजानन्द सरस्वती जी के गौरवशाली इतिहास को पुनः एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में शामिल कराने हेतु निर्णायक अन्दोलन का सर्वसम्मत से संकल्प लिया गया। स्वामी सहजानन्द सरस्वती जी अन्न दाता रोटी देने वाले किसान को धरती का साक्षात भगवान मानते थे। स्वामी जी वेद, उपनिषद, पुराण, गीता इत्यादि ग्रंथों का अध्ययन करते हुए हिन्दू धर्म के सारे तीर्थ एवं मन्दिरों में भगवान को खोजे लेकिन उनको भगवान के रूप में साक्षात अन्न दाता ही दिखायी दिया जिस किसान को ही अपना अराध्य मानकर किसान के हक अधिकार हेतु आजीवन संघर्ष किये।

काईट में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन EVST-2026 का शुभारंभ

एआई, वीएलएसआई एवं सेमीकंडक्टर तकनीकों पर मंथन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। विश्वविद्यालय, दिल्ली-एनसीआर, गाजियाबाद में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित 6 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'इमर्जिंग वीएलएसआई एंड सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी फॉर एआई एंड कंप्यूटिंग एप्लीकेशंस (EVST-2026)' का शुक्रवार, 26 जून 2026 को भव्य शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधकताओं, नीति-निमार्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों तथा विद्यार्थियों ने भाग लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई), वीएलएसआई डिजाइन, सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी, एम्बेडेड सिस्टम एवं अगली पीढ़ी की कंप्यूटिंग तकनीकों से जुड़े उभरते शोध एवं नवाचारों पर विचार-विमर्श किया। सम्मेलन को विश्वभर के प्रतिष्ठित संस्थानों से 1,400 से अधिक शोध-पत्र प्राप्त हुए।

अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा बहु-स्तरीय एवं कठोर समीक्षा प्रक्रिया के उपरांत केवल 166 शोध-पत्रों का चयन किया गया, जिससे सम्मेलन की स्वीकृति दर मात्र 11.4 प्रतिशत रही। यह सम्मेलन की उच्च शैक्षणिक गुणवत्ता एवं वैश्विक प्रतिष्ठा को दशार्ता है। सम्मेलन में अमेरिका, उज्बेकिस्तान एवं भारत सहित अनेक देशों के प्रतिनिधियों तथा भारत के 14 से अधिक राज्यों से आए शोधकताओं एवं प्रतिभागियों ने सहभागिता की। इस सम्मेलन का तकनीकी सह-प्रायोजन आईईईई उत्तर प्रदेश सेक्शन द्वारा किया गया है, जबकि वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (DSIR), भारत सरकार, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO), भारत सरकार तथा डिजाइनटेक सिस्टम्स द्वारा वित्तीय सहयोग प्रदान किया गया है। यह सम्मेलन इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन एवं विकसित भारत @2047 के उद्देश्यों के अनुरूप सेमीकंडक्टर एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सम्मेलन का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (ऊक्क्ष), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के वैज्ञानिक-जी एवं सलाहकार डॉ. विपिन चंद्र शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं कैडेंस डिजाइन सिस्टम्स के लीड एजुकेशन एप्लीकेशन इंजीनियर डॉ. संजीव कुमार तथा भारत स्थित रवांडा उच्चायोग के द्वितीय काउंसलर श्री एमिल म्वेपेसी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता काईट मानद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नागराज रामाराव ने की। उनके साथ प्रो-वाइस चांसलर डॉ. मनोज गोयल एवं निदेशक (अकादमिक) डॉ. आदेश कुमार पाण्डेय भी मंचासीन रहे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. नागराज रामाराव ने वर्तमान समय में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी की बहुविषयी प्रकृति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के दौर में ईसीई इंजीनियरों की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने वीएलएसआई हार्डवेयर, सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन तथा एआई आधारित कंप्यूटिंग में हो रही तीव्र प्रगति का उल्लेख करते हुए इसे भविष्य की तकनीकी क्रांति का आधार बताया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उन्हें विशेषज्ञों के व्याख्यानों एवं तकनीकी सत्रों से अधिकतम ज्ञान अर्जित करने तथा उसे अपने शोध कार्य में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

सम्मेलन के जनरल चेयर डॉ. विभव कुमार सचान ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा सम्मेलन की वैश्विक सहभागिता, तकनीकी उत्कृष्टता एवं शोध उपलब्धियों का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया। उद्घाटन सत्र के दौरान एश्रळ-2026 कॉन्फ्रेंस स्मारिका का विमोचन भी किया गया। अपने संबोधन में डॉ. संजीव कुमार ने सेमीकंडक्टर उद्योग के तेजी से बदलते परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वीएलएसआई, कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई) एवं इंटरनेट ऑफ थिंग्स का अभिसरण भविष्य की स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों की आधारशिला है। उन्होंने वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष मानव संसाधन तैयार करने के लिए उद्योग एवं शिक्षण संस्थानों के बीच मजबूत सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

पार्क में खड़ी थार को पेट्रोल डालकर फूंका, हिस्ट्रीशीटर पर एफआईआर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विजयनगर थाना क्षेत्र में बेखौफ बदमाशों ने आधी रात एक थार गाड़ी को पेट्रोल छिड़ककर आग के हवाले कर दिया। वारदात पार्क के भीतर खड़ी गाड़ी को निशाना बनाकर अंजाम दी गई। आग लगने से वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसके आधार पर एक आरोपी की पहचान क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर के रूप में होने का दावा किया गया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने नामजद और एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सेक्टर-12 निवासी अजय ने विजयनगर थाने में दी गई शिकायत में बताया कि उनकी थार गाड़ी 24 जून की रात घर के पास स्थित पार्क के भीतर खड़ी थी। रात करीब दो बजे बाइक पर सवार दो युवक वहां पहुंचे। दोनों ने पहले आसपास का जायजा लिया और कुछ देर तक यह सुनिश्चित किया कि आसपास कोई मौजूद न हो। इसके बाद उन्होंने गाड़ी पर पेट्रोल छिड़का और आग लगा दी। कुछ ही पलों में वाहन आग की लपटों से घिर गया। आग की तेज लपटें उठती देख आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और किसी तरह आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि, जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक थार का अगला हिस्सा बुरी तरह जल चुका था और वाहन को भारी नुकसान पहुंच चुका था। घटना की जानकारी मिलने के बाद वाहन स्वामी अजय ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दो युवक स्पष्ट रूप से गाड़ी के पास आते, पेट्रोल डालते और आग लगाकर मौके से फरार होते दिखाई दिए। पीड़ित का आरोप है कि फुटेज में दिख रहे युवकों में से एक की पहचान विकास उर्फ बब्बे के रूप में हुई है। अजय ने पुलिस को बताया कि विकास उर्फ बब्बे क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी पूर्व में भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है और जिला बदर की कार्रवाई भी झेल चुका है।

मोदी आईफा आर्ट गैलरी में कला प्रेमियों की चित्रकला प्रदर्शनी में उमड़ा जन समर्थन

श्री चंद शर्मा (एम.एल.सी शिक्षक मेरठ मंडल उत्तर प्रदेश) ने किया गैलरी विजिट

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गैलॉर्ड स्थित मोदी आईफा आर्ट गैलरी में चल रही सात दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी के चौथे दिन कला प्रेमियों, विद्यार्थियों वह उनके माता-पिता एवं उनके अभिभावकों की अपार भीड़ रही। मुख्य अतिथि श्रीचंद शर्मा(एम.एल.सी. शिक्षक मेरठ मंडल) व उनके आए विशिष्ट अतिथि, अरुण त्यागी(डायरेक्टर प्रिंसिपल छाया पब्लिक स्कूल), नीरज त्यागी(जिला अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा), देवराज शर्मा(अध्यक्ष जगन्नाथ ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन), मुकुल शर्मा(समाजसेवी) किडजी के मैनेजिंग डायरेक्टर अनमोल बंसल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट

अतिथियों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित कलाकृतियों को गहनता से देखा और कलाकार की प्रतिभा, सृजनात्मकता एवं कला के प्रति समर्पण की खुले दिल से प्रशंसा की । कलाकारों की उनकी गहरी सोच, सामाजिक सरोकारो और रचनात्मक दृष्टिकोण को दशार्ती है जो आने वाले समय में उन्हें एक सफल कलाकार के रूप में स्थापित करने की क्षमता रखती है। मुख्य अतिथि अपने संबोधन में यह भी कहा कि आजकल अखबारों में चोरी, डकैती, मर्डर, एक्सीडेंट आदि की ही खबरें विशेष रूप से प्रकाशित होती हैं जो समाज में नेगेटिवटी फैलती है इस कला प्रदर्शनी द्वारा एक सकारात्मक भाव आता है जिसका प्रचार प्रसार होना चाहिए। अंत में संस्थान के अधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को गले में फटका पहन कर एवं सर्टिफिकेट व गिफ्ट देकर सम्मानित किया।

श्रीचंद शर्मा विधायक (शिक्षक सीट) ने एमएम कॉलेज में सद्भावनात्मक भ्रमण किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्रीचंद शर्मा विधायक (शिक्षक सीट) ने शुक्रवार को मुल्तानिमल मोदी महाविद्यालय मोदीनगर में सद्भावनात्मक भ्रमण किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो वंदना शर्मा ने उनका भव्य स्वागत किया। उनके साथ के सी एम डी के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ दीपांशु शर्मा , डॉ पूनम शर्मा, प्राचार्य, गिन्नी देवी गर्ल्स पी जी कॉलेज , मोदीनगर के आचार्यगण/ प्राध्यापक सहित अन्य प्राध्यापकगण भी उपस्थित रहे। प्राध्यापकों ने अपनी कुछ समस्याओं की तरफ विधायक का ध्यान आकर्षित किया। जिसमें एन पी एस सहित अन्य समस्याओं की तरफ लिखित में उनका ध्यान आकर्षित किया गया डॉ अरुण कुमार मौर्य ने सभी प्राध्यापकों की तरफ से ये ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर डॉ प्राची अग्रवाल, डॉ पूनम चौधरी, डॉ राजकुमार, डॉ दीपक गुप्ता, डॉ श्रीकांत गौतम आदि उपस्थित थे।

पंजाबी मंच ने छबील एवं लंगर सेवा का किया आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। पंजाबी मंच एवं महिला पंजाबी मंच मोदीनगर के बैनर तले और वीके टॉयर के सहयोग से यहां रूक्मिणी मार्केट पर श्री निर्जला एकादशी महासेवा तथा श्री हरगोविंद साहब जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष में छबील एवं लंगर सेवा का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया, इस सेवा को संपन्न करने, में पंजाबी मंच के अध्यक्ष राज कुमार खुराना, महासचिव सुनील चावला तथा वी. के टायर के चीफ तथा आइआइए चैप्टर मोदीनगर के चेयरमैन राज ढींगरा के अलावा, सरदार यशपाल सिंह, लवली सरदार, सुनील चावला, संजीव चौधरी राजेश अरोड़ा दशमेश सेवा ट्रस्ट के गुरूमीत सिंह, विकास भषीन, अशीष अरोड़ा, जतिन अरोड़ा तथा पवन कुमार, अनुराग शैली, ललित अरोड़ा, सीमा अरोड़ा, वंदना अरोड़ा, संगीता कुमार, इंदू मदान, आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर विधायक डा० मंजू शिवाच चेयरमैन विनोद वैशाली, डा० मुकेश गर्ग, रामपाल चौधरी, आरएलडी, सभासद मनोज त्यागी भी उपस्थित हुए और लंगर एवं छबील वितरण सेवा का उत्साहवर्धन किया।

कैला भट्टा से बोझा वाली कर्बला तक रहा श्रद्धा और अनुशासन का माहौल, सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक संपन्न हुआ आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मोहर्रम की दसवीं तारीख यौमे-ए-आशूरा पर शुक्रवार को शहर में शिया और सुन्नी समुदाय के लोगों ने हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। नए बस अड्डे के सामने जीटी रोड पर निकले आशूरा के जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, अनुशासन और गम का माहौल देखने को मिला। जुलूस में शामिल लोगों ने 'या अलीइ और 'या हुसैनइ की सदाएं बुलंद करते हुए कर्बला के शहीदों की कुबार्नी को याद किया और मानवता, न्याय तथा सत्य के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। आशूरा का जुलूस कैला भट्टा स्थित इस्लामनगर केला के इमामबाड़ा हुसैनी घर से विधिवत प्रारंभ हुआ। यहां से आलम और ताजियों के साथ अकीदतमंदों का काफिला ट्रक यूनियन होते हुए जीटी रोड से आगे बढ़ा और अंत में बोझा वाली कर्बला पहुंचकर संपन्न हुआ। पूरे मार्ग पर श्रद्धालु पूरी अकीदत के साथ शामिल रहे। जुलूस के दौरान मातमदारों ने सीना-जनी कर अपने गम का इजहार किया, जबकि नोहे और मर्सिए पढ़कर कर्बला की उस ऐतिहासिक घटना का वर्णन किया गया, जिसमें हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों ने अन्याय और अत्याचार के सामने झुकने के बजाय सत्य और इंसाफ के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। धार्मिक विद्वानों ने कहा कि कर्बला की घटना केवल इस्लामी इतिहास का अध्याय नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, धैर्य, साहस और सत्य के मार्ग पर अडिग रहने की अमर मिसाल है। इमाम हुसैन की शहादत आज भी लोगों को यह संदेश देती है कि सत्य और न्याय की रक्षा के लिए हर कठिनाई का सामना किया जा सकता है।

बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, नोएडा परिसर में समर बूटकैंप 2026 का सफल समापन

एन0के0शर्मा

नोएडा(वेलकम इंडिया)। बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, सेक्टर 1 नोएडा परिसर में आयोजित समर बूटकैंप २०२६ के दूसरे चरण का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस बूटकैंप में स्कूली छात्रों को प्रौद्योगिकी, रचनात्मकता, उद्यमिता तथा जीवन कौशल का समृद्ध और व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। इस सप्ताह गेम डिजाइन एवं विकास मॉड्यूल का संचालन डॉ. निकेत मेहता एवं श्री पार्थ आचार्य ने किया, जबकि डेटा विश्लेषण मॉड्यूल का संचालन सुश्री शीतल सहगल, डॉ. सीमा शर्मा, डॉ. प्रमिला जोशी तथा डॉ. चारु वाही द्वारा किया गया।

संवादात्मक सत्रों एवं व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों ने गेम विकास की मूलभूत अवधारणाओं को समझा तथा यह सीखा कि आँकड़ों को किस प्रकार सार्थक एवं उपयोगी जानकारियों में परिवर्तित किया जा सकता है। प्रतिभागियों ने 'बीट द क्लॉक' गतिविधि में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसका संचालन सुश्री प्रीति बजाज ने किया। इसके अतिरिक्त सुश्री रचना प्रतिक द्वारा आयोजित जीवन कौशल सत्र तथा डॉ. मोनिका बिष्ट द्वारा संचालित प्रेरणादायक उद्यमिता सत्र ने विद्यार्थियों को नए दृष्टिकोण और व्यावहारिक अनुभव प्रदान किए। कार्यक्रम का समापन प्रमाण-पत्र वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें डाटा एनालिसिस में कनवजोत सिंह जोहर (सैफायर इंटरनेशनल स्कूल), शांतनु पांडेय (कैम्ब्रिज स्कूल), प्रिशा गुप्ता (बाल भारती पब्लिक स्कूल), गेम डिजाइन एवं विकास में आरुण्या वर्मा (कैम्ब्रिज स्कूल, नोएडा) मौलिक नापल (बाल भारती पब्लिक स्कूल), समायरा जावेद (सैफायर इंटरनेशनल स्कूल) आदि प्रतिभागियों को उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए निदेशक प्रोफेसर विकास त्रिपाठी ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी तथा उन्हें नवाचार, रचनात्मकता और आजीवन सीखने की भावना को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इस समर बूटकैंप का समन्वयन संकाय प्रभारी डॉ. चारु वाही ने किया। कार्यक्रम के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन में छात्र स्वयंसेवकों आर्यन, उज्ज्वल, तनमय, सिद्धिका, श्रेयांश तथा पारस का विशेष योगदान रहा।

मोहर्रम पर मुस्तैद रही पुलिस, बेहतर प्रबंधन पर एसीपी उपासना पाण्डेय का हुआ सम्मान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मोहर्रम के अवसर पर शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सहायक पुलिस आयुक्त (कोतवाली नगर) श्रीमती उपासना पाण्डेय ने थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती, जुलूस मार्गों तथा अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की।

इस दौरान मुस्लिम समाज के गणमान्य व्यक्तियों एवं स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए बेहतर प्रबंधन, संवेदनशील कार्यशैली तथा सतत पुलिस उपस्थिति की सराहना की। नागरिकों ने एसीपी श्रीमती उपासना पाण्डेय एवं उनकी पुलिस टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनका सम्मान भी किया।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान आपसी सौहार्द, शांति एवं सुरक्षा बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा जनसहयोग से ही शांतिपूर्ण माहौल कायम रखा जा सकता है।

मुलायम सिंह यादव ने दलितों, पिछड़ों और वंचित समाज को सम्मान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया: मो0 अरशद खान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, अम्बेडकर विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मो0 अरशद खान ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत करने और दलित, पिछड़े, किसान, मजदूर तथा वंचित समाज को सत्ता और प्रशासन में सम्मानजनक भागीदारी दिलाने का सबसे बड़ा कार्य श्रद्धेय नेताजी मुलायम सिंह यादव ने किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1990 में मुलायम सिंह यादव ने पिछड़े वर्गों को संविधान की भावना के अनुरूप 27 प्रतिशत आरक्षण लागू कर ऐतिहासिक कदम उठाया। उस समय सरकारी नौकरियों में पिछड़े वर्ग की भागीदारी लगभग नगण्य थी, लेकिन आज लाखों पिछड़े वर्ग के युवाओं को सरकारी सेवाओं में अवसर प्राप्त हुए हैं। इसी प्रकार दलितों का नौकरियों में आरक्षण 18% था , मुलायम सिंह यादव ने उसे बढ़ाकर 21% किया। यह सामाजिक न्याय की राजनीति की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। उन्होंने कहा कि दलित समाज के अधिकारों की रक्षा और उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए भी मुलायम सिंह यादव ने महत्वपूर्ण

कदम उठाए। पंचायतों में आरक्षण व्यवस्था लागू होने से पहले दलितों और पिछड़ों की राजनीतिक भागीदारी अत्यंत सीमित थी। ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत प्रमुख तथा जिला पंचायत अध्यक्ष जैसे पदों पर उनका प्रतिनिधित्व बहुत कम था। लेकिन पंचायतों में आरक्षण लागू होने के बाद दलित, पिछड़े एवं वंचित वर्ग के लाखों लोग लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा बने और नेतृत्व की मुख्यधारा में आए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को पंचायतों में आरक्षण मिलने से समाज के प्रत्येक वर्ग की महिलाओं को नेतृत्व का अवसर प्राप्त हुआ। आज हजारों महिलाएं ग्राम प्रधान, ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष बनकर समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। यह सामाजिक परिवर्तन की एक बड़ी क्रांति है। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, मान्यवर कांशीराम और नेताजी मुलायम सिंह यादव द्वारा शुरू किए गए सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक अधिकारों के मिशन को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आगे बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के साथ-साथ सर्वजन समाज के सम्मान, भागीदारी और अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का चुनाव नहीं होगा, बल्कि संविधान, आरक्षण, सामाजिक न्याय, लोकतंत्र और गरीब-वंचित समाज के सम्मान को बचाने का चुनाव होगा। पीडीए समाज और सर्वजन समाज मिलकर अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय की सरकार बनाने का संकल्प ले चुका है। 'जो संविधान बचाएगा, वही देश और समाज को आगे बढ़ाएगा। सामाजिक न्याय, समान अवसर और सम्मानजनक भागीदारी ही लोकतंत्र की वास्तविक पहचान है।'

बेसहारों को सहारा देने सड़क पर उतरा प्रशासन, गाजियाबाद में चला विशेष रेस्क्यू अभियान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। उच्च न्यायालय के निदेर्शों के अनुपालन में जिला प्रशासन ने जनपद में निराश्रित, असहाय और बेसहारा पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों के चिन्हांकन, संरक्षण और पुनर्वास के लिए विशेष रेस्क्यू एवं जनजागरूकता अभियान चलाया। जिलाधिकारी के निर्देशन और जिला प्रोबेशन अधिकारी के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के तहत विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर जरूरतमंद लोगों की पहचान करने के साथ आमजन को भी संवेदनशील बनाया गया।

रेस्क्यू टीम ने हापुड़ चुंगी चौराहा, पुराना बस अड्डा, चौधरी मोड़, रेलवे स्टेशन समेत अन्य प्रमुख स्थानों का भ्रमण किया और वहां मौजूद निराश्रित व्यक्तियों से संवाद स्थापित किया। अभियान के दौरान राहगीरों, दुकानदारों और वाहन चालकों से अपील की गई कि यदि उन्हें कोई बेसहारा, मानसिक रूप से अस्वस्थ, भिक्षावृत्ति में लिप्त, लावारिस अथवा संकटग्रस्त महिला, पुरुष या बच्चा दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस या जिला प्रशासन को दें, ताकि समय पर सहायता और संरक्षण उपलब्ध कराया जा सके।

अभियान में डीसीपीयू, चाइल्ड हेल्पलाइन, एएचटी थाना पुलिस, जीआरपी, रेलवे अधिकारियों तथा स्वयंसेवी संस्था के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। अधिकारियों ने भविष्य में ऐसे अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए बेहतर समन्वय पर भी चर्चा की।

जिला प्रशासन ने जनपदवासियों से मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही निराश्रित और असहाय लोगों को मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर जीवन प्रदान किया जा सकता है।

मोहर्रम पर पुलिस अलर्ट: जुलूस मार्गों पर अधिकारियों का पैदल मार्च, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मोहर्रम पर्व के अवसर पर जनपद के थाना खोड़ा एवं कोतवाली नगर क्षेत्र में निकाले जा रहे जुलूस शुक्रवार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो रहे हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार निगरानी रखी जा रही है। थाना खोड़ा क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात एवं कानून-व्यवस्था) राजकरन नैय्यर तथा पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन धवल जायसवाल ने पुलिस बल के साथ जुलूस मार्गों का भ्रमण कर सुरक्षा इंतजामों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने संवेदनशील स्थलों, पुलिस बल की तैनाती तथा यातायात व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधीनस्थ अधिकारियों को शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी क्रम में थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में भी मोहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संचालित होता रहा। यहां पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन धवल जायसवाल एवं सहायक पुलिस आयुक्त उपासना पाण्डेय ने पुलिस बल के साथ जुलूस मार्गों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने, पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी सुनिश्चित करने तथा लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मोहर्रम के दौरान शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाए रखने के लिए जनपद भर में व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं तथा सभी जुलूसों की सतत निगरानी की जा रही है।

मृत्यु के बाद भी दस्तावेजों में इस्तेमाल होता रहा सत्यवीर सिंह का नाम, जांच में खुलासा

नोएडा (वेलकम इंडिया)। सेक्टर-73 स्थित एंथूरियम ऑफिस प्रोजेक्ट की ऑलॉटी वेलफेयर एसोसिएशन (AOWA) से जुड़े मामले में एक गंभीर मामला सामने आया है। जांच में खुलासा हुआ है कि दिवंगत आवंटी सत्यवीर सिंह के निधन के बाद भी उनके नाम और कथित हस्ताक्षर का इस्तेमाल एसोसिएशन के गठन से जुड़े दस्तावेजों में किया गया। इस तथ्य के सामने आने के बाद पूरे मामले की जांच की गई। डिप्टी रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसायटीज एवं चिट्स द्वारा जारी आदेश के अनुसार, एसोसिएशन के पंजीकरण के लिए जमा कराए गए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) में करीब 60 सदस्यों के नाम और हस्ताक्षर दर्शाए गए थे। जांच में पता चला कि यूनिट-803 के आवंटी सत्यवीर सिंह का 11 जून 2025 को निधन हो चुका था, लेकिन इसके बावजूद उनके नाम को सदस्य सूची में शामिल किया गया और उनके हस्ताक्षर भी दर्शाए गए। आदेश में कहा गया है कि इस संबंध में शिकायत मिलने के बाद विभाग ने पूरे मामले की जांच की। जांच के दौरान एसोसिएशन से कई बार स्पष्टीकरण और आवश्यक दस्तावेज मांगे गए। उपलब्ध रिकॉर्ड और प्रस्तुत दस्तावेजों का परीक्षण करने पर यह तथ्य सामने आया कि दिवंगत व्यक्ति के नाम का उपयोग किया गया था, जिसे गंभीर अनियमितता माना गया। जांच के दौरान केवल सत्यवीर सिंह के नाम के इस्तेमाल का ही मामला नहीं, बल्कि एसोसिएशन के गठन से जुड़े अन्य दस्तावेजों और दावों में भी कई विसंगतियां सामने आईं। हालांकि, दिवंगत व्यक्ति के नाम और कथित हस्ताक्षर का इस्तेमाल इस पूरे प्रकरण का सबसे गंभीर पहलू माना गया।जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कथित फजीवाड़े के आधार पर बनाई गई एसोसिएशन में कल्पना सचान, शशांक कुमार, नीरजा सिंघल, पारुल जैन, दिव्या गौतम, साहिल राणा, नीरज कुमार सिंघल, रविंदर कुमार वांवरिया और मोहम्मद महादिम हुसैन को पदाधिकारी दशार्या गया था। वहीं, इस पूरे प्रकरण में अनूप सचान, प्रशांत टंडन, सुनील छजेरा, अनुराग योहे, चंदर रुखेजा और पियूष अग्रवाल के नाम भी सामने आए हैं। विभाग ने जांच रिपोर्ट और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की है। यह मामला सोसायटी गठन की प्रक्रिया में दस्तावेजों की सत्यता और पारदर्शिता पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

कोचिंग सेंटरों में फायर सेफ्टी की हकीकत उजागर: गाजियाबाद में 12 संस्थानों की जांच, 6 को नोटिस

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनपद में छात्रों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। शुक्रवार को पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी के निर्देश पर अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग ने कोचिंग सेंटरों, लाइब्रेरी तथा अन्य भीड़भाड़ वाले भवनों में विशेष अग्नि सुरक्षा जांच अभियान चलाया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देशन में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित 12 कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान छह संस्थानों में अग्नि सुरक्षा संबंधी कमियां पाए जाने पर उन्हें नियमानुसार नोटिस जारी कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। कुछ कोचिंग संस्थान निरीक्षण के समय बंद भी मिले।

निरीक्षण के दौरान आपातकालीन निकास मार्गों, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था और अन्य सुरक्षा मानकों की गहन जांच की गई। गंभीर खामियां मिलने पर संबंधित विभागों के सहयोग से आवश्यक कार्रवाई भी सुनिश्चित की गई।

अभियान के दौरान भवन संचालकों और प्रबंधकों को अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन करने, निकास मार्गों को अवरोधमुक्त रखने, अग्निशमन उपकरणों को सदैव क्रियाशील बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही छात्र-छात्राओं एवं आमजन को अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव और आपदा के समय बरती जाने वाली सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया।

25 हजार लोगों ने साधा ध्यान, वाईएसएस ने जगाया आंतरिक शांति का दीप

कपिल चौहान

नोएडा। योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया (वाईएसएस) द्वारा आयोजित विशेष आध्यात्मिक एवं ध्यान कार्यक्रम में भारत और विदेशों से करीब 25 हजार लोगों ने प्रत्यक्ष एवं ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता की। कार्यक्रम का प्रसारण वाईएसएस के विभिन्न केंद्रों, ध्यान समूहों, शैक्षणिक संस्थानों तथा कॉर्पोरेट वेलनेस समूहों में किया गया।

कार्यक्रम में ह्यध्यान योग द्वारा शांति की अनुभूतिह्ल विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए वाईएसएस के संन्यासी स्वामी अद्यानंद गिरि ने कहा कि ध्यान केवल मानसिक शांति का साधन नहीं, बल्कि संतुलित, सकारात्मक और सार्थक जीवन जीने की प्रभावी साधना है। उन्होंने कहा कि नियमित ध्यान व्यक्ति को तनाव, चिंता और नकारात्मक विचारों से दूर रखकर आत्मिक शक्ति एवं आंतरिक संतुलन प्रदान करता है। कार्यक्रम के दौरान सामूहिक ध्यान, भजन, सकारात्मक संकल्प तथा ध्यान की व्यावहारिक विधियों का अभ्यास कराया गया। प्रतिभागियों को योगदा सत्संग पाठमाला की जानकारी भी दी गई और बताया गया कि इसके माध्यम से घर बैठे ध्यान एवं आध्यात्मिक जीवन की शिक्षाओं का नियमित अध्ययन किया जा सकता है।

कार्यक्रम का समापन विश्व शांति, मानव कल्याण और सामाजिक सद्भाव की कामना के साथ सामूहिक प्रार्थना से हुआ। आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों को ध्यान और आध्यात्मिक जीवनशैली अपनाकर आंतरिक शांति तथा सकारात्मक सोच की ओर प्रेरित करना है।

सुदामा पुरी में विकास की नई सौगात: 18.75 लाख से बनेगी इंटरलॉकिंग सड़क व नाली

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। वार्ड-7 स्थित सुदामा पुरी क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए डूडा विभाग द्वारा इंटरलॉकिंग टाइल्स एवं नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस परियोजना पर लगभग 18 लाख 75 हजार रुपये की लागत व्यय की जाएगी। निर्माण कार्य के अंतर्गत राजकुमार के मकान से धन्नी के मकान तक तथा रहीश के मकान से प्रेम पाल के मकान तक इंटरलॉकिंग टाइल्स बिछाने एवं नाली निर्माण का कार्य कराया जाएगा।

इस अवसर पर शहर विधायक संजीव शर्मा ने क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता शहर विधानसभा के प्रत्येक वार्ड, गली और नागरिक तक विकास कार्यों का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क, नाली, स्वच्छता, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

विधायक ने कहा कि विकास ही उनकी राजनीति का मूल मंत्र है और बिना किसी भेदभाव के शहर विधानसभा के सभी क्षेत्रों में जनहित के कार्य निरंतर कराए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता के सहयोग से शहर विधानसभा विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है और भविष्य में भी अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा जाएगा। उन्होंने संकल्प दोहराया कि शहर विधानसभा का कोई भी क्षेत्र विकास से वंचित नहीं रहेगा तथा प्रत्येक नागरिक को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

दुर्घटना के बाद फरिश्ता बनी यातायात पुलिस, घायल बाइक सवार को पहुंचाया अस्पताल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। एनएच-09 पर मीडिया हाउस के समीप दिल्ली जाने वाली लेन पर शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक बाइक सवार क्रेन से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही गाजियाबाद यातायात पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल को प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई और बिना देर किए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।

यातायात पुलिस ने घायल के परिजनों को भी घटना की सूचना देकर अस्पताल बुलाया, जिससे समय रहते उसका उपचार शुरू हो सका। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता की मौके पर मौजूद लोगों ने सराहना की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में अग्रिम आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

साथ ही वाहन चालकों से सड़क पर सावधानी बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई है।

इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को नई रफ्तार देंगे सीएम, यीडा में उद्घाटन समारोह की तैयारियां जोरों पर

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सेक्टर-10 स्थित इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के उद्घाटन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभाग पूरी मुस्तैदी के साथ व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

प्रस्तावित वीवीआईपी कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड, पार्किंग स्थल एवं सुरक्षा प्रबंधों का वरिष्ठ अधिकारियों ने संयुक्त निरीक्षण कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

मुख्यमंत्री के आगमन के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को विशेष रूप से सुदृढ़ किया जा रहा है। यातायात प्रबंधन, वीवीआईपी मूवमेंट, आगंतुकों की सुविधा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का कार्य तेजी से जारी है। प्रशासन का कहना है कि कार्यक्रम से पूर्व सभी इंतजाम पूरी तरह चाक-चौबंद कर लिए जाएंगे, ताकि उद्घाटन समारोह सफल, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

एक किलो से अधिक गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

कपिल चौहान

मोदीनगर। थाना मोदीनगर पुलिस ने 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान गांजा तस्करी में संलिप्त एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 किलो 42 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 25 जून 2026 को चेकिंग अभियान के दौरान थाना क्षेत्र से विकास पुत्र राजेन्द्र, निवासी सौन्दा रोड, देवनगर, थाना मोदीनगर, गाजियाबाद को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 1 किलो 42 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। इस संबंध में थाना मोदीनगर में आरोपी के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ के साथ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध गतिविधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।